राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण मंगलवार 03 फरवरी 2026 वर्ष-9,अंक-11 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रथम पुण्यतिथि

स्व.बलिराम वीर्य बदलापुर खुर्द

जन्म-05.10.1956 मृत्यु-03.02.2025

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आम बजट 26-27: उम्मीदों की ऊँचाई पर खड़ा देश, आशाओं के बीच छिपी बेचैनी की परछाईं

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 4.4 प्रतिशत था। ऋण-से-जीडीपी अनुपात भी 55.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है। आर्थिक अनुशासन की यह तस्वीर बाजारों को राहत देती है,निवेशकों को भरोसा देती है।आम जनता के लिए सवाल वही पुराना है - क्या यह अनुशासन उनके जीवन में सस्ती शिक्षा,बेहतर स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार का अनुशासन बन पाएगा?बजट में किसानों,पशुपालकों और ग्रामीण भारत के लिए कई घोषणाएँ की गई हैं।

(लेखक - विनोद कुमार सिंह)

आम बजट 2026-27 एक आशावादी सरकारी दस्तावेज है,पर इसकी असली परीक्षा जमीन पर होगी।किसान के खेत में,मजदूर की हथेली में,युवा की नौकरी में, महिला के उद्यम में और गरीब की थाली में। बजट भाषण में शब्द बहुत हैं,योजनाएँ बहुत हैं,सरकारी आँकड़ो का अम्बार हैं। वही देश का आम आदमी पूछता है—क्या इस बार सपने सच होंगे?यही बजट की कहानी है -आशा और निराशा के बीच खड़ा भारत,खुशी और गम के बीच अपनी राह तलाशता हुआ नजर आ रहा है।

देश के लोकतंत्र में बजट केवल आय-व्यय का सरकारी दस्तावेज नहीं होता,बल्कि राष्ट्र की सामूहिक धड़कन होती है,जिसमें करोड़ों लोगों की आशाएँ,सपने,शिकायतें और संघर्ष एक साथ सांस लेते हैं।आम बजट 2026-27 भी ठीक ऐसा ही है-एक ओर विकास की तेज रफ्तार का दावा,दूसरी ओर आम आदमी की जेब में चुभती महँगाई और रोजगार की चिंता।यह बजट उम्मीद और निराशा के बीच झूलते भारत का आईना है,जिसमें खुशी की चमक भी है और गम की गहराई भी।केन्द्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने जब लोकसभा में यह कहा कि सार्वजनिक पूंजीगत व्यय 2014-15 के ₹2 लाख करोड़ से बढ़कर 2025-26 में ₹11.2 लाख करोड़ तक पहुँच गया है और अब इसे 2026-27 में ₹12.2 लाख करोड़ करने का प्रस्ताव है,तो यह घोषणा केवल एक संख्या नहीं थी। यह उस भारत का संदेश था जो सड़क, रेल,बंदरगाह,डिजिटल नेटवर्क और औद्योगिक गलियारों के माध्यम से भविष्य की नींव रख रहा है।सवाल यह भी उठता है कि क्या इस विकास की ईंटें गरीब की झोपड़ी तक गर्माहट पहुँचा पाएँगी, या यह केवल महानगरों के सपनों की इमारत बनकर रह जाएगा?सरकार ने निजी निवेश को भरोसा देने के लिए इन्फ्रास्ट्रक्चर रिस्क गारंटी फंड की घोषणा की है, जो ऋणदाताओं को आंशिक क्रेडिट गारंटी देगा।यह एक साहसिक कदम है,क्योंकि देश की विकास यात्रा में निजी क्षेत्र की भागीदारी आवश्यक है।इसी के साथ आम नागरिक के मन में यह चिंता भी है कि जब बड़े डेवलपर्स के जोखिम सरकार उठाएगी,तो छोटे किसान और मजदूर के जोखिम कौन उठाएगा? विकास का पुल तभी मजबूत होगा जब उसके दोनों छोर समान रूप से सुरक्षित हों।

राजकोषीय घाटा जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जो पिछले वर्ष 4.4 प्रतिशत था। ऋण-से-जीडीपी अनुपात भी 55.6 प्रतिशत रहने की बात कही गई है। आर्थिक अनुशासन की यह तस्वीर बाजारों को राहत देती है,निवेशकों को भरोसा देती है।आम जनता के लिए सवाल वही पुराना है - क्या यह अनुशासन उनके जीवन में सस्ती शिक्षा,बेहतर स्वास्थ्य और स्थायी रोजगार का अनुशासन बन पाएगा?बजट में किसानों,पशुपालकों और ग्रामीण भारत के लिए कई घोषणाएँ की गई हैं।छोटे और सीमांत किसानों की आय बढ़ाने पर जोर, मत्स्य पालन के लिए 500 जलाशयों का विकास,पशुपालन क्षेत्र के लिए लोन आधारित सब्सिडी कार्यक्रम,तटीय फसलों के लिए सहायता,नारियल,काजू, कोको,चंदन जैसी फसलों को वैश्विक ब्रांड बनाने की योजना—ये सब सुनने में आशाजनक हैं। ग्रामीण भारत के लिए यह राहत की सांस है। परंतु खेतों में खड़ा किसान आज भी पूछता है - क्या यह योजनाएँ कागज से निकलकर जमीन तक पहुँचेंगी? या फिर यह भी फाइलों की धूल में दब जाएँगी?

भारत-**VISTAAR** जैसे बहुभाषी एआई टूल की शुरुआत किसानों को आधुनिक निर्णय लेने में मदद करेगी।यह डिजिटल क्रांति का नया अध्याय है।इसी के साथ यह चिंता भी है कि क्या देश का हर किसान डिजिटल रूप से सक्षम है? क्या गांवों में इंटरनेट और प्रशिक्षण की वह व्यवस्था है,जो इस एआई टूल को सचमुच किसान का साथी बना सके?बजट में खेल क्षेत्र के लिए खेलो इंडिया मिशन की घोषणा भी युवाओं के लिए उम्मीद की किरण है।अगले दशक में खेल प्रतिभाओं को निखारने,खेल तकनीक और इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित करने की बात कही गई है।भारत जिस तरह वैश्विक मंच पर खेलों में उभर रहा है,यह पहल उसे नई ऊँचाई दे सकती है।गाँव की मिट्टी में दौड़ता बच्चा आज भी पूछता है -क्या उसके पास मैदान होगा,कोच होगा, संसाधन होंगे?युवाओं की क्षमता बढ़ाने के लिए सेवा क्षेत्र पर जोर,शिक्षा से रोजगार और उद्यम पर स्थायी समिति, 2047 तक सेवा क्षेत्र में वैश्विक हिस्सेदारी बढ़ाने का लक्ष्य—ये घोषणाएँ भविष्य की दिशा बताती हैं। लेकिन आज का युवा, जो प्रतियोगी परीक्षाओं की भीड़ में खड़ा है,जो बेरोजगारी की मार झेल रहा है,उसके लिए यह भविष्य थोड़ा दूर और धुंधला लगता है।उसे आज चाहिए नौकरी,आज चाहिए अवसर,आज चाहिए भरोसा।

बैंकिंग सेक्टर में सुधार,कॉरपोरेट बॉन्ड बाजार का विस्तार,म्यूनिसिपल बॉन्ड को बढ़ावा, निवेश सीमा बढ़ाने की घोषणाएँ वित्तीय जगत के लिए सकारात्मक हैं। परंतु आम आदमी के लिए बैंकिंग सुधार का अर्थ तभी है जब उसे सस्ता ऋण मिले,उसकी बचत सुरक्षित हो और उसका आर्थिक जीवन आसान बने। ग्रामीण महिलाओं के लिए शी- मार्ट्स की घोषणा एक सामाजिक बदलाव का संकेत है।स्व-सहायता समूहों की महिलाएँ अब बाजार से जुड़ेंगी,उद्यमी बनेंगी।यह बजट की सबसे सुंदर तस्वीरों में से एक है, जहाँ विकास का चेहरा महिला नेतृत्व में दिखाई देता है।यह आशाओं की वह किरण है जो ग्रामीण भारत की आंखों में चमक सकती है।पर्यटन के लिए राष्ट्रीय हॉस्पिटैलिटी संस्थान,10 हजार गाइड्स को प्रशिक्षित करने की योजना,डिजिटल नॉलेज ग्रिड, ट्रैकिंग और हाइकिंग ट्रेल्स, पुरातात्विक स्थलों का विकास—ये भारत की सांस्कृतिक अर्थव्यवस्था को नई ऊर्जा देंगे।इससे रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे।क्या यह रोजगार स्थायी होंगे या केवल मौसमी?

स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में भी कई घोषणाएँ हुई हैं - स्वास्थ्य संस्थानों का अपग्रेडेशन, एक लाख नए स्वास्थ्य पेशेवर,मेडिकल टूरिज्म के लिए क्षेत्रीय हब,आयुर्वेद संस्थानों की स्थापना।यह सुनकर लगता है कि सरकार स्वास्थ्य को प्राथमिकता दे रही है।परंतु सरकारी अस्पतालों की भीड़,दवाओं की कमी और इलाज की महँगाई आज भी आम आदमी की पीड़ा है। कपड़ा उद्योग के लिए राष्ट्रीय फाइबर योजना,समर्थ 2.0,मेगा टेक्सटाइल पार्क और हथकरघा- हस्तशिल्प कार्यक्रम ग्रामीण रोजगार को बढ़ावा दे सकते हैं।यह भारत की परंपरा और आधुनिकता का संगम है तो वही बुनकर आज भी न्यूनतम मजदूरी और बाजार की मार से जूझ रहा है।सबसे बड़ा आकर्षण रहा—20 नए जलमार्ग और सात हाई स्पीड रेल कॉरिडोर का एलान।यह भारत की गतिशीलता का सपना है।मुंबई से पुणे, दिल्ली से वाराणसी, चेन्नई से बंगलूरू तक हाई स्पीड रेल नेटवर्क देश को जोड़ने की नई कहानी लिखेगा।यह विकास का गर्व है। लेकिन इसी के साथ यह सवाल भी है-क्या आम यात्री के लिए यह यात्रा सस्ती होगी या केवल उच्च वर्ग की सुविधा बनकर रह जाएगी?

सरकार ने सात क्षेत्रों में आर्थिक विकास की पहल का प्रस्ताव रखा है -विनिर्माण,एमएसएमई,ऊर्जा सुरक्षा,शहरी विकास,कैपिटल गुड्स,टेक्सटाइल और बायो फार्मा शक्ति।यह एक व्यापक रोडमैप है। सेमीकंडक्टर मिशन और रेयर अर्थ कॉरिडोर जैसी योजनाएँ भारत को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में मजबूत बनाएंगी। सन 2025 - 2026 का केन्द्रीय आम बजट का सच यही है -यह उम्मीदों का गुलदस्ता भी है और निराशाओं का कांटा भी।यह विकास की घोषणा भी है और आम आदमी की चिंता भी।खुशी इस बात की है कि भारत भविष्य की ओर बढ़ रहा है।गम इस बात का है कि यह भविष्य कब तक हर घर के दरवाजे तक पहुंचेगा? आम बजट 2026-27 एक आशावादी सरकारी दस्तावेज है,पर इसकी असली परीक्षा जमीन पर होगी।किसान के खेत में,मजदूर की हथेली में,युवा की नौकरी में, महिला के उद्यम में और गरीब की थाली में। बजट भाषण में शब्द बहुत हैं,योजनाएँ बहुत हैं, सरकारी आँकड़ो का अम्बार हैं। वही देश का आम आदमी पूछता है—क्या इस बार सपने सच होंगे?यही बजट की कहानी है -आशा और निराशा के बीच खड़ा भारत, खुशी और गम के बीच अपनी राह तलाशता हुआ नजर आ रहा है।

(स्वतंत्र पत्रकार एवं स्तम्भकार)

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अ निवार्य नहीं है)

संपादकीय

आत्मनिर्भरता हेतु विकास

राजग सरकार द्वारा रविवार को पेश आम बजट कई मायनों में खास रहा। तमिलनाडु के लोगों की आकांक्षाओं की पर्याय कांजीवरम साड़ी पहने लगातार नौवीं बार बजट पेश करके निर्मला सीतारमण ने नारी शक्ति का परचम ही लहराया। प्रधानमंत्री मोदी ने बजट की दशा-दिशा पर तीन शब्दों में संदेश दिया कि यह स्किल, स्केल और सस्टेनेबिलिटी का बजट है। वहीं गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि यह विकास व आत्मनिर्भरता के लिए बजट है। दूसरी ओर विपक्षी नेताओं ने आरोप लगाया कि इसमें आम आदमी के लिए कुछ खास नहीं है। आम आदमी की जिज्ञासा यही होती है कि क्या सस्ता होगा और किस पर उसकी जेब ढीली होगी। कहा जा रहा है कि माइक्रोवेव्स, सोलर पैनल, चमड़ा उत्पाद, 17 दवाइयां तथा सात दुर्लभ बीमारियों की दवाएं सस्ती होंगी। हर बार की तरह शराब, सिगरेट व तंबाकू प्रेमियों की जेब ढीली होगी। नये प्रावधानों में विदेशों में पढ़ रहे छात्रों को भेजे जाने वाले पैसे पर टीसीएस कम होगा। विदेश यात्रा पैकेज पर भी छूट दी गई है। आने वाले महीनों में जिन राज्यों में विधानसभा चुनाव होंगे, उनका भी बजट में खास ख्याल रखा गया है। दुनिया में इलेक्ट्रॉनिक व अन्य उत्पादों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले दुर्लभ रेयर अर्थ पर ध्यान केंद्रित कर रेयर अर्थ कॉरिडोर बनाने का लक्ष्य रखा गया, जिसमें तमिलनाडु-केरल का खास ध्यान रखा गया। आसन्न चुनाव वाले इन राज्यों के मछुआरों व नारियल उत्पादकों को प्रोत्साहन व छूट दी गई है। हालांकि, एसटीटी बढ़ाने के मुद्दे पर शेयर बाजार को बजट रास नहीं आया। वहीं दूसरी ओर इलेक्ट्रॉनिक उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए इस उद्योग में चालीस हजार करोड़ रुपये के निवेश का प्रस्ताव है। वहीं सस्ती दवाओं के लिए 'बॉयोफार्मा शक्ति योजना' के लिए दस हजार करोड़ रुपये का प्रावधान होगा, जिससे देश में मधुमेह व कैंसर की सस्ती दवाइयां उपलब्ध हो सकेंगी। दूसरी ओर आसन्न चुनाव वाले राज्यों पश्चिम बंगाल, असम व तमिलनाडु को हाई-स्पीड ट्रेन कॉरिडोर का लाभ देने का प्रस्ताव है। वहीं असम को बौद्ध सर्किट का लाभ दिया गया है। यह योजना बौद्ध तीर्थों के विकास, यात्री सुविधाओं के विस्तार तथा यहां तक कि तीर्थयात्रियों की पहुंच आसान बनाने की कोशिश है। वहीं दूसरी ओर डिजिटल मनोरंजन क्रांति हेतु रचनात्मक बढ़ाने वाली 'ऑरेंज इकॉनोमी' को भी प्राथमिकता बनाया गया है ताकि इस क्षेत्र में युवाओं के लिए रोजगार के अवसरों में वृद्धि की जा सके। हर बार नौकरी पेशा वर्ग की आस होती है कि इनकम टैक्स में छूट मिले। लेकिन इस बार किसी स्लैब में परिवर्तन नहीं हुआ। हां, अप्रैल 26 तक नया आयकर कानून लागू करने की बात बजट में कही गई है, जिसमें आयकर रिटर्न की फाइलिंग से जुड़ी समय सीमा और नियमों में बदलाव होगा। निश्चित रूप से दुनिया आपूर्ति श्रृंखला में जारी वैश्विक उथल-पुथल और टैरिफ युद्ध के बीच राजग सरकार ने आम बजट में आत्मनिर्भरता को प्राथमिकता दी है। साथ ही आजादी के सौ साल पूरे होने पर भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प की दिशा में भी कदम बढ़ाया गया है।

कृषि क्षेत्र में दुनिया मे सबसे तेज वृद्धि भारत मे दर्ज,किसानों की आय दुगुनी, विकसित भारत की नींव मजबूत

(लेखक- कांतिलाल मांडोत)

बीते एक दशक में भारतीय कृषि जिस मोड़ पर खड़ी दिखाई देती है, वह सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि गांव खेत और किसान की रोजमर्रा की जद्दोजहद का आईना भी है। नीति आयोग के सदस्य रमेश चंद की रिपोर्ट के मुताबिक सरकार का किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य हासिल हो चुका है। वर्ष 2015 के मुकाबले 2024 तक किसानों की औसत आय में 126 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है और सालाना वृद्धि दर दस प्रतिशत से अधिक रही है। यह दावा ऐसे समय में सामने आया है जब देश 2047 तक विकसित भारत बनने का सपना देख रहा है और 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था की बात हो रही है। ऐसे में कृषि क्षेत्र की यह तस्वीर उम्मीद भी जगाती है और कई सवाल भी खड़े करती है।

रिपोर्ट बताती है कि खेती आज भी देश के 46 प्रतिशत कार्यबल को रोजगार दे रही है। यह अपने आप में बड़ा तथ्य है क्योंकि आमतौर पर यह माना जाता है कि विकास के साथ कृषि से लोगों का पलायन होगा। इसके उलट भारत में कृषि न सिर्फ रोजगार का बड़ा आधार बनी हुई है बल्कि इसमें महिलाओं की भागीदारी भी तेजी से बढ़ी है। 2017-18 के मुकाबले 2023-24 तक कृषि क्षेत्र में महिला श्रमिकों की संख्या लगभग दोगुनी हो गई है। यही स्थिति विनिर्माण क्षेत्र में भी देखने को मिलती है। यह बदलाव सामाजिक संरचना और ग्रामीण अर्थव्यवस्था में गहरे परिवर्तन का संकेत देता है।

कृषि विकास दर के आंकड़े भी इस दशक को ऐतिहासिक बनाते हैं। 2015-16 से 2024-25 के बीच कृषि क्षेत्र की औसत वार्षिक वृद्धि दर 4.45 प्रतिशत रही है जो आजादी के बाद सबसे अधिक मानी जा रही है। वैश्विक परिप्रेक्ष्य में देखें तो यह दर दुनिया की औसत कृषि विकास दर 2.88 प्रतिशत से कहीं ज्यादा है। चीन अमेरिका ब्राजील इंडोनेशिया और पाकिस्तान जैसे देशों की तुलना में भी भारत का प्रदर्शन बेहतर बताया गया है। इन आंकड़ों के आधार पर यह कहा जा रहा है कि भारतीय कृषि ने बीते दस वर्षों में दुनिया में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की है।

इस वृद्धि के पीछे कई कारण गिनाए जा रहे हैं। कृषि उत्पादों की कीमतों में बढ़ोतरी एक बड़ा कारण है। न्यूनतम समर्थन मूल्य में बीते वर्षों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां 2008 के आसपास धान का एमएसपी करीब 850 रुपए और गेहूं का लगभग 1000 रुपए था वहीं 2025-26 तक यह क्रमशः 2369 और 2425 रुपए के स्तर तक पहुंच चुका है। यानी करीब ढाई गुना वृद्धि। इसके साथ ही सरसों गेहूं और चना जैसी फसलों के दाम भी दो तीन हजार से बढ़कर पांच सात हजार रुपए तक पहुंचने की बात कही जा रही है। इससे किसानों को बेहतर भाव मिला है और आय में इजाफा हुआ है।

तकनीक और सरकारी योजनाओं की भूमिका भी अहम मानी जा रही है। ई नाम प्लेटफॉर्म से लेकर ड्रोन तकनीक सोलर पंप और प्रधानमंत्री कुसुम योजना जैसी पहलों ने खेती को पहले की तुलना में आसान और आधुनिक बनाया है। सिंचित क्षेत्र का विस्तार हुआ है कृषि यंत्रों पर अनुदान मिला है पाइपलाइन फव्वारा और खेत की तारबंदी तक के लिए सब्सिडी उपलब्ध कराई गई है। इन सबका असर यह हुआ कि खेती की उत्पादकता बढ़ी और लागत के कुछ हिस्सों में राहत मिली।

खेती में विविधता भी आय बढ़ने का बड़ा आधार बनी है। परंपरागत अनाज के साथ फल सब्जी मसाले पशुपालन और मछली पालन जैसे क्षेत्रों को अपनाने से किसानों के पास आय के नए स्रोत खुले हैं। रिपोर्ट में बताया गया है कि पशुपालन के दम पर किसानों की आय 2016 से 2023 के बीच 107 प्रतिशत तक बढ़ी थी। यह दिखाता है कि जो किसान एक ही फसल पर निर्भर नहीं रहे और बाजार की मांग के हिसाब से खुद को ढाला उन्होंने अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति हासिल की।

राजस्थान के कोटा जिले के लक्ष्मीपुरा गांव के किसान महावीर शर्मा की कहानी इसी बदलाव की मिसाल है। उन्होंने बिचौलियों को हटाकर किसानों को सीधे बाजार से जोड़ने की पहल की। एक कंपनी बनाकर आसपास के किसानों को जोड़ा और पहले ही वर्ष में आठ करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन किया। इस मॉडल से किसानों को उचित मंडी भाव मिला और खरीद बिक्री में पारदर्शिता आई। यह दिखाता है कि संगठित प्रयास और बाजार की समझ से खेती भी लाभकारी व्यवसाय बन सकती है।

इसी तरह कोटा के सांगोद क्षेत्र के किसान रविंद्र मेहता ने जैविक खेती को अपनाकर अपनी राह बनाई। पूरी तरह जैविक तरीके से गन्ने की खेती शुरू की और उससे गुड़ बनाकर पैकिंग के साथ बाजार में बेचना शुरू किया। इसके अलावा धान और खीरे जैसी फसलों से भी आय बढ़ाई। उनके खेत में यह दावा सच होता दिखता है कि किसानों की आय दोगुनी हो सकती है। आज उनके पास खेती से अर्जित संसाधनों के दम पर बेहतर जीवन सुविधाएं मौजूद हैं।

लेकिन इस चमकदार तस्वीर का दूसरा पहलू भी उतना ही सच है। श्रीगंगानगर जिले के चक महाराजका के किसान अमृतपाल सिंह संधू जैसे किसान मानते हैं कि कागजों में आय भले ही बढ़ी दिखाई दे लेकिन वास्तविक आय में खास बढ़ोतरी नहीं हुई है। वे सौ बीघा भूमि पर खेती करते हैं फिर भी खेती लाभ का सौदा नहीं रह गई है। बीज खाद कीटनाशक डीजल बिजली मजदूरी और मशीनों का खर्च लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में जो आय बढ़ी है वह बढ़ती लागत में ही समा जाती है। इस कारण किसानों को लगता है कि उनकी जेब में बचत पहले जैसी ही है।

यही विरोधाभास इस पूरी बहस को जटिल बनाता है। एक तरफ औसत आय के आंकड़े हैं जो बड़ी वृद्धि दिखाते हैं तो दूसरी तरफ जमीनी हकीकत है जहां छोटे और मध्यम किसान आज भी जोखिम और अनिश्चितता से जूझ रहे हैं। मौसम की मार बाजार के उतार चढ़ाव और प्राकृतिक आपदाएं खेती को अस्थिर बनाती हैं। बड़े किसानों की असंतुष्टि भी इसी संदर्भ में सामने आती है क्योंकि उनके निवेश और खर्च का स्तर अधिक होता है और लाभ अपेक्षाकृत कम महसूस होता है।

खान पान के आंकड़े भी ग्रामीण और शहरी भारत में बदलती आर्थिक स्थिति की झलक देते हैं। प्रति व्यक्ति औसत उपभोग में अनाज की मात्रा कुछ कम हुई है जबकि फल ड्राई फ्रूट्स मछली और मांस जैसे उत्पादों की खपत बढ़ी है। यह बदलाव आय में वृद्धि और खान पान की पसंद में बदलाव का संकेत देता है। साथ ही यह भी दिखाता है कि कृषि अब सिर्फ पेट भरने तक सीमित नहीं है बल्कि पोषण और विविधता से जुड़ गई है।

नीति आयोग की रिपोर्ट देश के भविष्य के लक्ष्य से भी कृषि को जोड़ती है। 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और प्रति व्यक्ति 12 लाख रुपए सालाना आय के लिए आठ प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर की जरूरत बताई गई है। इसमें कृषि की भूमिका सिर्फ सहायक नहीं बल्कि आधारभूत मानी जा रही है। जब तक गांव और किसान मजबूत नहीं होंगे तब तक समग्र विकास अधूरा रहेगा।

इस पूरे परिदृश्य से यह साफ होता है कि बीते दस वर्षों में भारतीय कृषि ने कई मोर्चों पर प्रगति की है। तकनीक बाजार और नीतियों के स्तर पर बदलाव आए हैं और कई किसानों ने इसका लाभ उठाया है। लेकिन यह भी उतना ही सच है कि सभी किसानों तक यह लाभ समान रूप से नहीं पहुंचा है। आय के औसत आंकड़े उम्मीद जगाते हैं पर वास्तविक आय लागत और जोखिम के सवाल अभी भी चुनौती बने हुए हैं।

जहाँ शांति है वही सुख

चिंतन मनन

यदि हमारे पास दुनिया का पूरा वैभव और सुख-साधन उपलब्ध है परंतु शांति नहीं है तो हम भी आम आदमी की तरह ही हैं। संसार में मनुष्यों द्वारा जितने भी कार्य अथवा उद्यम किए जा रहे हैं सबका एक ही उद्देश्य है शांति। सबसे पहले तो हमें ये जान लेना चाहिए कि शांति क्या है? शांति का केवल अर्थ यह नहीं कि केवल मुख से चुप रहें अपितु मन का चुप रहना ही सच्ची सुख-शांति का आधार है। कहते हैं कि जहाँ शांति है वहाँ सुख है। अर्थात सुख का शांति से गहरा नाता है। लड़ाई, दुख और लालच को भंग करने के लिए शांति सशक्त औजार है। कई लोग कहते हैं कि बिना इसके शांति नहीं हो सकती। इसके साथ ही भौतिक सुख-साधनों तथा अन्य संसाधनों से शांति होगी यह कहना भी गलत है। यदि इससे ही शांति हो जाती तो हम मंदिर आदि के चक्कर नहीं लगाते। धन-दौलत और संपदा से संसाधन खरीदे जा सकते हैं परंतु शांति नहीं। हम यही सोचते रह जाते हैं कि यह कर लूँगा तो शांति मिल जाएगी। आवश्यकताओं को पूरा करते-करते पूरा समय निकल जाता है और न तो शांति मिलती है और न ही खुशी।

खुशहाल पारिवारिक जीवन के लिए जरूरी है कि पहले शांति रहे। जहाँ शांति है वहाँ विकास है। जहाँ विकास है वहाँ सुख है। इसलिए अमूल्य शांति के लिए सबसे पहले हमें अपने आप को देखना होगा। अपने बारे में जानना होगा। मैं कौन हूं, कहाँ से आया हूं और हमारे अंदर कौन-कौन सी शक्तियाँ हैं जो हम अपने अंदर ही प्राप्त कर सकते हैं। शांति का सागर परमात्मा है। हम आत्माएँ परमात्मा की संतान हैं। जब हमारे अंदर शांति आएगी तो हमारा विकास होगा। जब विकास होगा तो वहाँ सुख का साम्राज्य होगा। यह प्रक्रिया बिल्कुल सरल और सहज है जिसके जरिए हम यह जान और पहचान सकते हैं। वर्तमान समय अशांति और दुख के भयानक दौर से गुजर रहा है। ऐसे में जरूरत है कि हम अपने धर्म और शाश्वत सत्य को स्वीकारते हुए शांति के सागर परमात्मा से अपने तार जोड़ें। ताकि हमारे भीतर शांति का खजाना मिले। इससे हमारे अंदर शांति तो आएगी ही साथ ही हम दूसरों को भी शांति प्रदान कर सकेंगे।

विचार मंथन

एपस्टीन स्कैंडल, सेक्ससत्ता और दलालों का वैश्विक अपराध?

(लेखक - सनत जैन)

काले कारनामों पर पोती काली स्याही

इन दिनों दुनिया में एपस्टीन फाइल की बड़ी चर्चा है। दुनिया के देशों के राजनेता, बड़े-बड़े अधिकारी,कॉरपोरेट जगत के लोगों को प्रभावित करने के लिए खूबसूरत एवं नाबालिग लड़के-लड़कियों का उपयोग सेक्सकर्मी के रूप में किया गया। इन्हें किस तरह से यौन अपराधियों और उनके दलालों द्वारा शिकंजे में लिया जाता था, इसके बाद दुनिया भर की राजसत्ता में बैठे लोगों के पद और प्रतिष्ठा का उपयोग किया गया। एपस्टीन दुनियाभर के राजनेताओं और कॉरपोरेट जगत को ब्लैकमेल करके दुनिया का पावरफुल आदमी बन गया था। अब एपस्टीन इस दुनिया में नहीं रहा। उसकी फाइल में दर्ज काले कारनामों के खुलासे हो रहे हैं। उससे सारी दुनिया के कई देशों के रास्ट्राध्यक्षों और कारपोरेट जगत का वह काला चेहरा आज सारी दुनिया को देखने को मिल रहा है। इस काले कारनामें में एपस्टीन जो यौन शोषण का सबसे बड़ा अपराधी था, जिसने छोटे-छोटे से बच्चों को अपने धंधे के लिए इस्तेमाल किया। दुनिया के बड़े-बड़े नेताओं कॉरपोरेट और बड़े-बड़े अधिकारियों को अपने द्वीप में ले जाकर उनको ऐश कराया। इस तरह की ऐश बड़े-बड़े धन्नासेठों को और कहीं उपलब्ध नहीं हो सकती थी। जिसके कारण एपस्टीन बहुत कम समय में दुनिया के कई देशों की सत्ता का सबसे बड़ा दलाल बन गया। इसमें कई देशों के राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, ब्रिटेन के राजकुमार, खरबपति और वैश्विक धन्नासेठ जिसमें फिल्मी जगत के अभिनेता और अभिनेत्री भी शामिल थे। विभिन्न देशों के उद्योग, सत्ता, खेल और व्यापार जगत में इस दलाल की तूती बोलती रही। वासना के इस खेल में शामिल होने के बाद एपस्टीन के इसारे पर सारी दुनिया नाच रही थी। अमेरिका के न्याय विभाग ने इसका खुलासा किया है। इसके कंप्यूटर से 35 लाख से अधिक पेज, हजारों फोटो और हजारों वीडियो इस सच्चाई को बता रहे हैं। जेफरी एपस्टिन और उसके सहयोगी गिस्लैन मैक्सवेल के सेक्स रैकेट नेटवर्क में शामिल थे। इन दस्तावेजों में इलेक्ट्रॉनिक संदेश, हवाई जहाज की यात्राओं का रिकॉर्ड बैंक के माध्यम से हुए, सभी लेन-देन का रिकॉर्ड शामिल किया गया है। इसमें अमेरिका के वर्तमान राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कई बार नाम सामने आया है। इसी तरह से भारत के भी आधा दर्जन से ज्यादा लोगों के नाम इस फाइल में दर्ज हैं। यह सारे दस्तावेज अब सार्वजनिक कर दिए गए हैं। आश्चर्य की बात यह है, कुछ ऐसे पेज हैं, जिनमें ट्रंप और कई महत्वपूर्ण नेताओं और अधिकारियों से जुड़ी हुई जानकारी थी। गवाही के जो दस्तावेज थे, उनमें से कई पेजों पर स्याही पोतकर उसकी जानकारी आम लोगों तक नहीं पहुंचे इसके प्रयास हुए हैं। अमेरिका के न्याय विभाग में जिन यौन पीड़िताओं ने गवाही दी थी, उनमें स्याही पोतने का मामला सामने आया है। इस जानकारी में काली स्याही पोत देने के कारण लगभग दो दर्जन दलालों और सप्लायरों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। जिनके जरिए इस जांच को और इस अपराध में लिप्त लोगों को दंडित किया जा सकता था। अमेरिका के डेमोक्रेटिक सांसदों ने न्यायिक विभाग पर आरोप लगाया है। उन्होंने अमेरिकी कांग्रेस की समय-सीमा पर इस जानकारी को उजागर नहीं किया। जो जानकारी उजागर की है, उसमें बहुत सारी जानकारी पर काली स्याही से छुपाने का प्रयास किया है। ताकि पावरफुल लोगों को बचाया जा सके। अमेरिकी मीडिया में इस बात की बहस शुरू हो गई है। न्याय विभाग से यह जानकारी मांगी जा रही है। यह जानकारी क्यों छुपाई गई है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम जब बार-बार सामने आ रहा है, तब इसे एक साजिश बताकर खारिज करने का जो प्रयास किया जा रहा है, इसको लेकर अमेरिका में बड़ा विरोध शुरू हो गया है। एपस्टीन फाइल का खुलासा होने के पहले ही ब्रिटेन की प्रिंस एंड्रयू माउंटबेटन विंडसर ने अपनी पदवी छोड़ दी है। प्रिंस को एक महिला भेजी गई थी। गवाही में यह बात सामने आई है। स्लोवाकिया के प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मिरोस्लाव लाईचक ने अपना इस्तीफा दे दिया है। उनके ऊपर आरोप थे, जब वह विदेश मंत्री थे, तब महिलाओं से बात की, और उनके साथ संपर्क में आए हैं। अमेरिका के वाणिज्य विभाग के सचिव हार्वर्ड लुटनिक की जानकारी का भी खुलासा हुआ है। 2012 में वह अपने परिवार के साथ एपस्टीन के प्राइवेट आईलैंड में जाने का आरोप है। जैफरी एपस्टीन को 2008 में फ्लोरिडा में 14 साल की लड़की को सेक्स के लिए उकसाने के मामले में दोषी ठहराया गया था, जिसमें उसे 2 साल की सजा हुई थी। उसके बाद से एपस्टीन ने अपने नेटवर्क को बड़ी तेजी के साथ बढ़ाया। अमेरिकी मीडिया का दावा है, इजराइल की खुफिया एजेंसी मोसाद के एजेंट के रूप में एपस्टीन यह काम कर रहा था। इजराइल और अमेरिका अपने हितों के लिए दुनिया के विभिन्न देशों में एपस्टीन का उपयोग कर रहे थे। इसके माध्यम से दुनिया के व्यापार और सत्ता को नियंत्रित करने का काम इजराइल और अमेरिका कर रहे थे। अमेरिका और इजराइल के इशारे पर भारत पश्चिम एशिया के देश ईरान, सऊदी अरब, मालदीव एवं दुनिया के महत्वपूर्ण देशों में एपस्टीन का जाल फैला हुआ था। जो जासूसी के साथ-साथ वैश्विक व्यापार और राजसत्ता को अप्रत्यक्ष रूप से संचालित करने का काम होता था। जासूसी के नेटवर्क में राजा महाराजाओं के राज में विषकन्याओं का जिस तरह से उपयोग किया जाता था, आधुनिक युग में वही काम एपस्टीन कर रहे थे।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत का बजट आर्थिक स्थिरता और वृद्धि पर केंद्रितः फिच रेटिंग्स

भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली । फिच रेटिंग्स ने कहा कि भारत का बजट सरकार की आर्थिक स्थिरता बनाए रखने की निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बजट में सरकारी कर्ज को धीरे-धीरे कम करने का लक्ष्य रखा गया है, जिससे वित्तीय स्थिति मजबूत बनी रहे। बजट में बड़े सुधारों की घोषणा नहीं की गई, लेकिन फिच ने आगे सुधारों की उम्मीद जताई, खासकर विनियमन में ढील देने के संदर्भ में। पूंजीगत व्यय को 2026-27 में जीडीपी का 3.1 फीसदी बनाए रखने का निर्णय निजी निवेश को प्रोत्साहित करने और आर्थिक वृद्धि को मजबूत करने की दिशा में कदम है। फिच ने कहा कि राजकोषीय समेकन की गति धीमी रहेगी। 2026-27 के लिए राजकोषीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 फीसदी रखा गया है, जो पिछले वर्ष 4.4 फीसदी से थोड़ा कम है। फिच ने 2026-27 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.4 फीसदी रहने का अनुमान जताया। एजेंसी ने यह भी कहा कि सुधारों की गति तेज होने से निजी निवेश बढ़ेगा और भारत की संभावित आर्थिक वृद्धि और मजबूत होगी।

एयरबस को भारतीय संचालक से तीन हेलीकॉप्टर का मिला ठेका

नई दिल्ली । एयरबस को एक भारतीय संचालक से तीन हेलीकॉप्टर का ठेका मिला है। एयरबस ने कहा कि एयरबस कॉरपोरेट हेलीकॉप्टर्स को दिए गए ठेके में दो एसीएच160 और एक एच175 हेलीकॉप्टर शामिल हैं। यह संचालक पहले से एसीएच160 का ग्राहक है और भारत का पहला एच175 ग्राहक बनेगा। संचालक का नाम और सौदे से जुड़े वित्तीय विवरण कंपनी ने हालांकि साझा नहीं किए। कंपनी के अनुसार, एच175 हेलीकॉप्टर 16 सीट वाला होगा और इसकी आपूर्ति इसी साल की जाएगी। वहीं दो एसीएच160 हेलीकॉप्टर की आपूर्ति 2027 में की जाएगी।

जनवरी में देश के विनिर्माण क्षेत्र की गतिविधि में मामूली सुधार हुआः पीएमआई

- नए ऑर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में आई तेजी

नई दिल्ली । एचएसबीसी इंडिया के मासिक सर्वेक्षण में जनवरी में विनिर्माण गतिविधियों में सुधार देखा गया। मौसमी रूप से समायोजित पीएमआई 55.4 पर पहुंचा, जो दिसंबर के 55 से थोड़ा ऊपर है। पीएमआई में 50 से ऊपर का अंक विस्तार और 50 से नीचे का अंक संकुचन दर्शाता है। सर्वेक्षण के अनुसार नए ऑर्डर, उत्पादन और रोजगार में वृद्धि के कारण विनिर्माण क्षेत्र में गति बनी। सर्वेक्षण में शामिल कंपनियों ने बताया कि घरेलू बाजार से कुल बिक्री में मुख्य योगदान मिला। हालांकि निर्यात ऑर्डर में भी वृद्धि हुई, लेकिन इसकी रफ्तार अपेक्षाकृत कम रही। जिन कंपनियों के निर्यात ऑर्डर बढ़े, उन्होंने एशिया, ऑस्ट्रेलिया कनाडा, यूरोप और पश्चिम एशिया से मांग में इजाफा बताया। जनवरी में वस्तु उत्पादक कंपनियों ने अतिरिक्त कर्मचारियों की भर्ती जारी रखी। रोजगार सृजन की गति मामूली रही, लेकिन पिछले तीन महीनों में सबसे तेज रही। सर्वेक्षण में यह भी सामने आया कि नई तकनीक और निवेश ने उत्पादन को समर्थन दिया। कच्चे माल की कीमतें चार महीनों के उच्चतम स्तर तक बढ़ीं, जबकि फैक्ट्री-गेट कीमतों में वृद्धि धीमी रही। इससे विनिर्माताओं के मुनाफे पर हल्का दबाव पड़ा। हालांकि नए ऑर्डर में तेजी आई, भविष्य के उत्पादन के प्रति कारोबारी विश्वास साढ़े तीन साल के सबसे निचले स्तर पर रहा। केवल 15 फीसदी कंपनियों ने उत्पादन बढ़ने की उम्मीद जताई, जबकि 83 फीसदी ने बदलाव की कोई संभावना नहीं बताई।

जिंस की लागत बढ़ने से कीमतों में बढ़ोतरी पर विचार किया जाएगाः मारुति सुजुकी

- कंपनी ने कहा, जीएसटी दरों में कटौती के बाद बाजार में मजबूत बनी हुई है मांग

नई दिल्ली ।

मारुति सुजुकी इंडिया के एक वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी ने सोमवार को संकेत दिया कि कच्चे माल और कीमती धातुओं की बढ़ती कीमतों के कारण कंपनी अपने वाहनों की कीमतों में संभावित वृद्धि पर विचार कर रही है। उन्होंने कहा कि कंपनी हमेशा ग्राहकों पर लागत का बोझ कम से कम रखने का प्रयास करती रही है। हालांकि, एक सीमा के बाद लागत बढ़ोतरी को ग्राहकों पर स्थानांतरित करना आवश्यक हो सकता है। उन्होंने बताया कि माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती के बाद बाजार में मांग मजबूत बनी हुई है। सितंबर 2025 में जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद कंपनी ने एस-प्रेसो, ऑल्टो, सेलेरियो और वैगन-आर की कीमतों में 79,600 रुपये से 1,29,600 रुपये तक की कटौती की थी। कंपनी के पास वर्तमान में 1.75 लाख लंबित ऑर्डर हैं, जबकि जनवरी में 2.78 लाख नई बुकिंग मिली, जो सालाना आधार पर 25 फीसदी की वृद्धि दर्शाती है। रोजाना लगभग 9,000 से 10,000 बुकिंग हो रही हैं। जनवरी में कुल बिक्री 2,36,963 इकाई दर्ज की गई, जबकि निर्यात 51,020 इकाई तक पहुंचकर रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मारुति की नई एसयूवी विक्टोरिस ने पांच महीने में 50,000 इकाई की बिक्री पार कर ली है। हरियाणा के खरखौदा संयंत्र को अप्रैल 2026 तक परिचालन में लाया जाएगा। इसके बाद गुजरात संयंत्र में चौथी उत्पादन लाइन शुरू होगी, जिससे सालाना पांच लाख इकाई की अतिरिक्त क्षमता उपलब्ध होगी। इस महीने घरेलू बाजार में इलेक्ट्रिक एसयूवी 'ई-विटारा' भी लॉन्च होगी।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में बिक्री 15 फीसदी बढ़ी

नई दिल्ली । वाहन विनिर्माता कंपनी टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की जनवरी में कुल बिक्री 15 प्रतिशत बढ़कर 33,880 इकाई हो गई। जनवरी 2025 में यह 29,371 इकाई रही थी। मोटर वाहन कंपनी ने बयान में कहा कि घरेलू बिक्री जनवरी 2025 की 26,178 इकाई के मुकाबले 17 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 30,630 इकाई हो गई।वहीं निर्यात भी दो प्रतिशत बढ़कर 3,250 इकाई रहा जो एक साल पहले इसी महीने 3,193 इकाई रहा था। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) के एक कार्यकारी अधिकारी ने कहा कि वर्ष 2026 की शुरुआत सकारात्मक और उत्साहजनक रही है। हमारे उत्पाद खंड की निरंतर मजबूती व गुणवत्ता के साथ ही सुरक्षा एवं स्थिरता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पर ग्राहकों के विश्वास से यह गति बनी हुई है।

यूपीआई और डेबिट कार्ड लेनदेन बढ़ाने 2,000 करोड़ का प्रोत्साहन आवंटित

वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने आम बजट में कम मूल्य वाले यूपीआई पी2एम और रुपे डेबिट कार्ड लेनदेन को बढ़ावा देने के लिए 2,000 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि आवंटित की है। इन लेनदेन पर शून्य मर्चेंट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) जारी रहेगी, ताकि छोटे व्यापारी डिजिटल भुगतान अपनाने के लिए प्रोत्साहित हों। वित्त वर्ष 2026 के लिए अंतिम आवंटन 2,196.21 करोड़ रुपए था, जो बजट में प्रस्तावित 437 करोड़ रुपए की राशि से लगभग पांच गुना अधिक है। भुगतान उद्योग का मानना है कि यूपीआई और डेबिट कार्ड प्रणाली के विकास और स्थिरता के लिए कम से कम 10,000-15,000 करोड़ की आवश्यकता थी। इसलिए, सरकार द्वारा आवंटित राशि अपेक्षित प्रोत्साहन का केवल लगभग एक-पांचवां है। पेमेंट्स कार्डसिल ऑफ इंडिया के प्रमुख अे धिकारी ने सुझाव दिया कि छोटे व्यापारियों के लिए शून्य एमडीआर जारी रखा जाए, जबकि बड़े व्यापारियों (20 लाख से ज्यादा वार्षिक कारोबार) पर 30 बेसिस प्वाइंट एमडीआर लागू की जा सकती है। उनका कहना है कि बड़े व्यापारी पहले ही क्रेडिट कार्ड पर 2 फीसदी शुल्क दे रहे हैं, इसलिए उन्हें करदाताओं के पैसे से प्रोत्साहित करने की आवश्यकता नहीं। साल 2025 में यूपीआई ने 228.28 अरब लेनदेन दर्ज किए। उद्योग का अनुमान है कि अगले एक दशक में हर महीने 100 अरब यूपीआई लेनदेन किए जा सकते हैं। इससे स्पष्ट है कि यूपीआई भारत में सबसे पसंदीदा भुगतान विकल्प बना रहेगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 943, निफ्टी 262 अंक बढ़ा

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को बढ़त पर बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही दिन बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीदारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 943.52 अंक उछलकर 81,666.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 262.95 अंक बढ़कर 25,088.40 पर बंद हुआ। आज इन्फ्रा और ऑटो शेयरों के कारण बाजार में उछला आया। निफ्टी इन्फ्रा , निफ्टी ऑटो, निफ्टी पीएसई, निफ्टी पीएसई , निफ्टी ऑयलएंडगैस , निफ्टी मेटल और निफ्टी कमोडिटीज के शेयरों में तेजी रही। आज केवल निफ्टी आईटी और निफ्टी हेल्थकेयर के शेयरों में गिरावट रही। लार्जकैप के साथ ही मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में भी तेजी रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 546.80 अंक बढ़कर के 57,667.60 और निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स 105.20 अंक ऊपर आकर 16,523.35 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में अदाणी पोर्ट्स, बीईएल, एमएंडएम, एलएंडटी, इंडिगो, अल्ट्राटेक सीमेंट, एशियन पेंट्स, आईटीसी, बजाज फिनसर्व, टाटा स्टील, एनटीपीसी, आईसीआईसीआई बैंक और मारुति सुजुकी के शेयर लाभ में रहे जबकि एक्सिस बैंक, इन्फोसिस, टीसीएस, ट्रेंट, के शेयर नुकसान में रहे थे।

इससे पहले आज सुबह बाजार की शुरुआत कमजोर रही। शुरुआती दबाव के चलते सेंसेक्स और निफ्टी लाल निशान में खुले।। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 167 अंक की गिरावट के साथ 80,555.68 पर खुला था। वहीं निफ्टी 50 ने भी करीब 30 अंक टूटकर 24,796.50 पर कारोबार की शुरुआत की। वहीं वैश्विक बाजारों की बात करें तो एशियाई बाजारों में सुबह शुरुआती कारोबार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। इस दौरान सोने की कीमतों में गिरावट जारी रही और शुक्रवार की कमजोरी आगे बढ़ती दिखी। चीन का सीएसआई 300 इंडेक्स 0.01 फीसदी की बढ़त पर था, जापान का निक्केई 0.75 फीसदी ऊपर आया जबकि हॉन्गकॉन्ग का हैंग सेंग 1.34 फीसदीऔर दक्षिण कोरिया का कोस्पी 2.63 फीसदी टूट चुका था। शुक्रवार को वॉल स्ट्रीट के प्रमुख इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए।

बजट में बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक निवेश को केंद्र में रखा गया

- बुनियादी ढांचे पर 12.21 लाख करोड़ रुपए का दांव

नई दिल्ली । केंद्रीय बजट 2026-27 में सरकार ने सार्वजनिक पूंजीगत व्यय को 12.21 लाख करोड़ रुपये तक बढ़ाने का प्रस्ताव रखा है, जो कुल बजट 53.47 लाख करोड़ रुपये का लगभग 22 प्रतिशत है। यह 2025-26 के संशोधित अनुमान 10.95 लाख करोड़ रुपये से 11.5 प्रतिशत अधिक है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में बताया कि 2014-15 में 2 लाख करोड़ रुपये से शुरू हुआ सार्वजनिक पूंजीगत व्यय अब लगातार बढ़कर 12.2 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। सड़कें, राजमार्ग और रेलवे जैसे प्रमुख क्षेत्र इस निवेश का बड़ा हिस्सा संभालते हैं। रेलवे मंत्रालय के लिए राजस्व व्यय 2.92 लाख करोड़ रुपये रखा गया है, जबकि सड़क परिवहन एवं राजमार्ग विभाग के लिए 3.09 लाख करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। दोनों क्षेत्रों में क्रमशः 10 प्रतिशत और 7.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। बजट में उच्च मूल्य वाले निर्माण और बुनियादी ढांचा उपकरण के घरेलू उत्पादन, 200 पुराने औद्योगिक समूहों में उन्नयन, और 5 लाख से अधिक आबादी वाले मझोले और छोटे शहरों में बुनियादी ढांचे के विकास की योजनाएँ शामिल हैं। सरकार ने निवेश बढ़ाने के लिए इनविट्स, रिट्स, एनआईआईएफ और एनएबीएफआईडी जैसी नई फंडिंग योजनाओं को भी आगे बढ़ाया है। परमाणु ऊर्जा परियोजनाओं के लिए आयात पर सीमा शुल्क छूट 2035 तक बढ़ाई गई है। इसके अलावा, सीसीयूएस प्रौद्योगिकियों के

विकास के लिए 20,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित किया गया है। बैटरी ऊर्जा भंडारण और कार्बन कैप्चर जैसे क्षेत्रों में भी सार्वजनिक निवेश पर जोर दिया गया है। बजट 2026-27 स्पष्ट रूप से यह संदेश देता है कि भारत सरकार सार्वजनिक निवेश और बुनियादी ढांचे को आर्थिक वृद्धि का प्रमुख स्तंभ मानती है। इसका उद्देश्य दीर्घकालिक विकास, रोजगार सृजन और हरित ऊर्जा क्षेत्रों में नवाचार को बढ़ावा देना है।

बजाज आटो मुनाफा 25 फीसदी बढ़कर 2,749 करोड़ हुआ

नई दिल्ली । बजाज ऑटो ने तीसरी तिमाही में निवेशकों को संतोषजनक नतीजे दिए हैं। कंपनी का शुद्ध मुनाफा सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़कर 2,749 करोड़ रुपए हो गया, जबकि कुल आय 23 फीसदी बढ़कर 16,204 करोड़ रुपए पहुंच गई। नतीजों ने निवेशकों के भरोसे को मजबूत किया है। तीसरी तिमाही में कंपनी के एक्सपोर्ट कारोबार में जबरदस्त सुधार देखने को मिला। 15 तिमाहियों के बाद पहली बार बजाज ऑटो ने 6 लाख से अधिक गाड़ियां निर्यात कीं। निर्यात से कंपनी को 544 करोड़ रुपए की कमाई हुई और कुल निर्यात बिक्री में 15-20 फीसदी की बढ़ोतरी दर्ज की गई। बाजार के जानकारों का मानना है कि एक्सपोर्ट में रिकवरी और चेतक इलेक्ट्रिक स्कूटर की बिक्री कंपनी के लिए सकारात्मक संकेत हैं। हालांकि ब्रोकरेज ने घरेलू मोटरसाइकिल बाजार में कंपनी की घटती हिस्सेदारी को चिंता का विषय बताया है, खासकर 125सीसी और उससे ऊपर के सेगमेंट में। उन्होंने नेचुरल रेटिंग के साथ 9,416 का टारगेट प्राइस दिया है।

बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए बनेगी उच्च स्तरीय समिति

- कॉरपोरेट एंट्री और एफडीआई जैसे मुद्दों पर फिर से हो सकता है विचार

नई दिल्ली ।

केंद्रीय बजट में बैंकिंग क्षेत्र की व्यापक समीक्षा के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित करने का प्रस्ताव किया गया है। इस समिति का उद्देश्य वित्तीय स्थिरता, वित्तीय समावेशन और ग्राहक संरक्षण को बनाए रखते हुए बैंकिंग सेक्टर को भारत के विकास के अगले चरण से जोड़ना है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह पहल बैंकिंग से जुड़े कई लंबे समय से लंबित और संवेदनशील मुद्दों पर फिर से विचार का अवसर दे सकती है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि समिति के कार्यक्षेत्र को तय किया जाएगा और उससे अपेक्षा है कि वह बैंकिंग सेक्टर की समग्र समीक्षा कर 2047 के लिए मजबूत योजना सुझाए। वित्तीय सेवा विभाग के अनुसार समिति वाणिज्यिक ऋण और जीडीपी के अनुपात, बैंकिंग नेटवर्क के विस्तार, जमा और ऋण से जुड़े पहलुओं जैसे मुद्दों पर विचार करेगी। सरकार सभी हितधारकों से परामर्श के बाद आगे की दिशा तय करेगी। उद्योग विशेषज्ञों का कहना है कि समिति कॉरपोरेट घरानों को बैंकिंग क्षेत्र में प्रवेश देने के मुद्दे पर पुनर्विचार कर सकती है। अब तक इस विषय पर सख्त नियमन रहा है। इसके अलावा, बड़े शेयरधारकों के वोटिंग अधिकार की मौजूदा 26 प्रतिशत सीमा, बैंकिंग प्रणाली में अधिक पूंजी निवेश और प्रतिस्पर्धा बढ़ाने जैसे मुद्दे भी चर्चा में आ सकते हैं। विशेषज्ञों के अनुसार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश की अनुमोदन प्रक्रिया को सरल बनाने और सीमित दायरे में काम कर रहे छोटे बैंकों के विलय से बड़े और मजबूत बैंक बनाने पर भी विचार संभव है। नियोस्ट्रैट एडवाइजर्स एलएलपी के संस्थापक अबीजर दीवानजी के अनुसार भारत को बड़े बैंकों की आवश्यकता है और इसके लिए घरेलू व विदेशी दोनों स्रोतों से पूंजी जुटाना जरूरी है।

भारतीय बाजार पर मॉर्गन स्टेनली की मजबूत राय

- सरकार ने जानबूझकर सुधारों की रफ्तार धीमी रखी

नई दिल्ली।

केंद्रीय बजट 2027 ने बाजार और निवेशकों को एक साफ संदेश दिया है कि सरकार न तो अचानक खर्च में कटौती करने के मूड में है और न ही कर्ज को नजरअंदाज कर रही है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म मॉर्गन स्टेनली के मुताबिक यह बजट कर्ज घटाने, घाटे को काबू में रखने और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने के बीच संतुलन बनाता है। रिपोर्ट के अनुसार सरकार ने जानबूझकर वित्तीय सुधारों की गति को आक्रामक नहीं बनाया है, ताकि अर्थव्यवस्था की रफ्तार बनी रहे। वित्त वर्ष 27 के लिए वित्तीय घाटे का लक्ष्य जीडीपी का 4.3 प्रतिशत रखा गया है, जबकि केंद्र सरकार का कर्ज जीडीपी अनुपात 55.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मॉर्गन स्टेनली का मानना है कि ये आंकड़े चिंताजनक नहीं हैं और सरकार ने फिस्कल गणित सोच-समझकर तैयार किया है। ब्रोकरेज ने बजट भाषण की शुरुआत में सेमीकंडक्टर जैसे शब्द के इस्तेमाल को सरकार की बदलती प्राथमिकताओं का संकेत बताया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मैन्युफैक्चरिंग को बढ़ावा देने के लिए सेमीकंडक्टर मिशन आईएसएम 2.0, रेयर अर्थ मैग्नेट और पुराने औद्योगिक क्षेत्रों को मजबूत करने पर खास जोर दिया गया है।

सेवाओं के क्षेत्र को भी बजट में अहम जगह दी गई है। डेटा सेंटर्स को टैक्स में राहत दी गई है और 2047 तक वैश्विक सेवाओं के निर्यात में भारत की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है।

इससे आईटी, डिजिटल और टेक्नोलॉजी सेक्टर को लंबी अवधि में फायदा मिलने की उम्मीद है।

डॉलर को टक्करः जिनपिंग ने युआन को इंटरनेशनल रिजर्व बनाने का दिया संकेत

बीजिंग।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने अमेरिकी डॉलर के वैश्विक प्रभुत्व को सीधे चुनौती दी है और युआन को ÷मजबूत करेंसी÷ बनाने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि युआन को इतना मजबूत बनाया जाए कि अन्य देश इसे अपने अंतरराष्ट्रीय रिजर्व के रूप में रखें। फिलहाल यह दर्जा अमेरिकी डॉलर को हासिल है, और जिनपिंग के बयान को डॉलर की बादशाहत को चुनौती माना जा रहा है।

अमेरिका और चीन, दुनिया की पहली और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और आर्थिक प्रभुत्व के मामले में टकराव की स्थिति में हैं। चीन अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने के लिए इंटरनेशनल ट्रेड में युआन का उपयोग बढ़ा रहा है। पिछले साल उसने अपने 6.2 ट्रिलियन डॉलर के विदेशी व्यापार का लगभग एक-तिहाई हिस्सा युआन में निपटाया।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार शी जिनपिंग ने सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के सैद्धांतिक जर्नल किउशी में प्रकाशित एक लेख में कहा कि चीन को ऐसी मजबूत मुद्रा बनाने की जरूरत है जिसका बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय व्यापार, निवेश और फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में इस्तेमाल किया जा सके और जो वैश्विक रिजर्व का दर्जा हासिल कर सके।

उन्होंने इस पर भी जोर दिया कि आर्थिक रूप से मजबूत देश की नींव में केवल मजबूत मुद्रा ही नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय प्रणाली, शक्तिशाली केंद्रीय बैंक, मजबूत वित्तीय संस्थान, अंतरराष्ट्रीय वित्तीय केंद्र, कड़ी निगरानी और उच्च स्तरीय वित्तीय टैलेंट शामिल होना चाहिए। जिनपिंग ने कहा कि चीन का वित्तीय विकास पश्चिमी मॉडल से अलग अपनी राष्ट्रीय परिस्थितियों और विशेषताओं पर आधारित होना चाहिए।

केंद्रीय बजट 2026: निवेश सुधार के संकेत, पर सरकार के हस्तक्षेप पर सतर्कता

नई दिल्ली ।

भारत की अर्थव्यवस्था वर्तमान में परिवर्तन के दौर से गुजर रही है। दिसंबर 2025 तिमाही में 677 सूचीबद्ध गैर-आर्थिक कंपनियों के आंकड़ों के अनुसार, सालाना नॉमिनल वृद्धि 7.67 फीसदी रही, जबकि वास्तविक आधार पर वृद्धि दर 6 फीसदी रही। सीएमआईई के डेटा से पता चलता है कि निजी निवेश परियोजनाओं के क्रियान्वयन में सुधार हुआ है, लेकिन यह कंपनियों के निवेश व्यय में अभी पूरी तरह परिलक्षित नहीं हुआ। वैश्विक परिदृश्य चुनौतीपूर्ण बना हुआ है। स्वेज नहर अवरुद्ध होने के कारण मुंबई से यूरोप तक माल ढुलाई की लागत बढ़ गई है। वहीं अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी शुल्क ने भारतीय कंपनियों को वैश्विक व्यापार में संरचना बदलने पर मजबूर कर दिया है। इससे होल्डिंग कंपनियों, उत्पादन संयंत्रों और उपभोक्ताओं को असर पड़ा है। केंद्रीय बजट सिर्फ सरकारी खर्च और राजस्व का विवरण नहीं है, बल्कि यह सरकार की नीतिगत प्रतिबद्धताओं का संकेत भी है, जैसे जीएसटी, मुद्रास्फीति नियंत्रण और आईबीसी जैसी पहल बजट भाषणों से शुरू हुई थीं। हाल के महीनों में कुछ महत्वपूर्ण आर्थिक सुधारों पर चर्चा हुई है। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि सरकार का हस्तक्षेप उद्योगों को कक्षा की मॉनिट की तरह नियंत्रित करने जैसा दिखता है। यह दृष्टिकोण 1980 के दशक के समाजवादी नीतिगत अनुभवों से मेल खाता है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

टी20 विश्वकप मैच के लिए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी भारतीय टीम: बीसीसीआई

पाकिस्तान के मैच से हटने के बाद भी कार्यकम में नहीं किया बदलाव

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने कहा है कि टीम टी20 विश्व कप 2026 के लिए तय समय पर श्रीलंका जाएगी हालांकि पाकिस्तान ने उसके खिलाफ ग्रुप स्तर के मैच में खेलने से इंकार कर दिया है। बीसीसीआई के अनुसार पाकिस्तान ने 15 फरवरी को होने वाले विश्वकप मैच में बिना किसी ठोस करणों से खेलने से इंकार किया है पर इसके बाद भी हमारे कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है। भारतीय टीम अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) नियमों के तहत ही सभी जरूरी औपचारिकताएं पूरी करेगी। भारत-पाक के बीच मुकाबला 15 फरवरी 2026 को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में होना था पर पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने कहा है कि वह इसमें अपनी टीम नहीं उतारेगा।

पाकिस्तान सरकार ने सोशल मीडिया में एक आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि टीम विश्व कप 2026 में भाग लेगी पर ग्रुप स्तर पर भारत के खिलाफ कोई मैच नहीं खेलेगी। पाक सरकार ने भारतीय टीम के खिलाफ मैच से हटने का कोई कारण नहीं बताया है। इससे कार्यक्रम पर संशय बना हुआ है। पाक के मैच से बाहर होने के बाद भी भारतीय टीम अपने तय कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं करते हुए तय समय पर श्रीलंका पहुंचेगी। टीम अपने नियमित अभ्यास सत्र के बाद प्री-मैच प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिस्सा लेंगे और मैच वाले दिन निर्धारित समय पर स्टेडियम में भी पहुंचेगी। वहीं पाक टीम के नहीं पहुंचने के बाद आईसीसी के नियमों के तहत मैच रेफरी फैसला देंगे। इसमें भारतीय टीम को मैच अंक मिलेंगे जबकि पाक के अंक कटेंगे।

आईसीसी ने भी हालांकि अभी ये नहीं बताया है कि अगर कोई टीम विश्व कप मैच खेलने नहीं आती है तो उसके खिलाफ क्या कदम उठाये जाएंगे। पाक को विश्वकप में अपने पहले मुकाबले में 7 फरवरी को पहला मैच नीदरलैंड्स जबकि 10 फरवरी को अमेरिका वह 18 फरवरी को नामीबिया से खेलना है। ये सभी मैच कोलंबो के सिंहलीज स्पोर्ट्स क्लब मैदान में खेले जाने हैं। पीसीबी ने अभी ये नहीं बताया है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है तो तब भी क्या वह भारत के सामने नहीं उतरेगी? भारत-पाक मुकाबले से आईसीसी और प्रसारणकर्ताओं को सबस अधिक राजस्व मिलता है। ऐसे में इस मैच के नहीं होने से आईसीसी को भी काफी नुकसान

होगा। ऐसे में अब देखना होगा कि आईसीसी इस मामले में क्या फैसला करती है।

अभिषेक टी20 विश्कप में सबसे अधिक रन बनाएंगे : पोंटिंग

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय टीम के युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह सात फरवरी से शुरु होने जा रहे टी20 विश्वकप में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज बनेंगे। विश्वकप संयुक्त रु से भारत और श्रीलंका में खेला जाएगा। टूर्नामेंट में कई दिग्गज बल्लेबाजों के होते हुए भी पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान का मानना है कि अभिषेक रनों के मामले में सबसे आगे रहेंगे इस पूर्व कप्तान ने अभिषेक की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह अच्छी लय में है और उसे घरेलू हालातों का लाभ मिलेगा। ऐसे में उसे आईसीसी टूर्नामेंट्स का अनुभव न होने पर भी नुकसान नहीं होगा। वह पहली बार कोई आईसीसी टूर्नामेंट खेलने के कारण निडर होकर उतरेगा। ऐसे में अनुभव की कमी उसके लिए फायदेमंद ही साबित होगी। साथ ही कहा कि उसे इस टूर्नामेंट के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का अवार्ड भी मिल सकता है। पोंटिंग ने आगे कहा, अगर वह रन बनाता है तो भारतीय टीम को हराना बेहद कठिन हो जाएगा। और अगर वह नहीं चलता, तो भी भारतीय टीम को कम नहीं आंक सकते। अभिषेक साल 2018 में भारत की अंडर-19 विश्व कप जीतने वाली टीम में शामिल रहे हैं पर टी20 वर्ल्ड कप 2026 सीनियर टीम के साथ उसका पहला विश्वकप होगा।

पोंटिंग ने कहा, मैं उसका पहला आईपीएल कोच रहा था। उसने 17 साल की उम्र में मेरे साथ दिल्ली कैपिटल्स के लिए डेब्यू किया था। मुझे आज भी याद है, पहली ही गेंद पर उसने से चौका या छक्का मारा था। पोंटिंग ने यह भी खुलासा किया कि वह अभिषेक को दिल्ली से ट्रेड करने के फैसले के खिलाफ थे। मैंने प्रबंधन से कई बार कहा था कि उसे मत जाने दो, यहां एक सुपरस्टार बन रहा है। और आज वही हो रहा है।अभिषेक ने हाल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 4 मैचों में 152 रन बनाए। सीरीज के तीसरे मुकाबले में अभिषेक ने सिर्फ 14 गेंदों में अर्धशतक लगाया था। जो भारत की ओर से टी20 अंतरराष्ट्रीय में दूसरा सबसे तेज़ अर्धशतक है। इससे पहले केवल युवराज के नाम ही 12 गेंदों में ये रिकार्ड है।ऐसे में भारतीय टीम को विश्वकप में अभिषेक से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। ।भारत को ग्रुप A में पाकिस्तान, अमेरिका, नामीबिया और नीदरलैंड्स के साथ रखा गया है। भारत अपने अभियान की शुरुआत 7 फरवरी को अमेरिका के खिलाफ करेगा।

इंग्लैंड ने दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में श्रीलंका को 6 विकेट से हराया, सीरीज में 2-0 की बढ़त हासिल की

कोलंबो (एजेंसी)। हैरी ब्रूक की आक्रामक बल्लेबाजी से इंग्लैंड ने यहां दूसरे टी20 क्रिकेट मैच में भी मेजबान श्रीलंका को हराकर तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली है। बर्षा बाधित इस मैच में मेहमान टीम इंग्लैंड ने डकवर्थ लुइस नियम के तहत 6 विकेट से जीत हासिल की। वहीं पहले मैच में भी श्रीलंकाई टीम 11 रन से हार गयी थी। दूसरे मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए श्रीलंका ने 5 विकेट के नुकसान पर 189 रन बनाये। वहीं दूसरी पारी में बारिश के कारण इंग्लैंड को 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला।जिसे इंग्लैंड टीम ने टॉम बैंटन के अर्धशतक और कप्तान हैरी ब्रूक की आक्रामक पारी से 16.4 ओवर में ही 4 विकेट पर 173 रन बनाकर हासिल कर लिया।

लक्ष्य का पीछा करते हुए इंग्लैंड की टीम ने एक समय 7.2 ओवर में ही 60 रनों के अंदर 2 विकेट खो दिये थे। बारिश के कारण इंग्लैंड को जीत के लिए 17 ओवर में 168 रन का संशोधित लक्ष्य मिला। इसके बाद बैंटन ने 33 गेंदों में 54 रन जबकि जोस बटलर ने 39 रन बनाए। ब्रूक ने केवल 12 गेंदों में 36 रन बना दिये। वहीं सैम करन 20 रन बनाकर आउट नहीं हुए।

वहीं इससे पहले श्रीलंका की ओर से ओपनर पथुम निसांका और कामिल मिशरा श्रीलंका को अच्छी शुरुआत दिलाई और टीम का स्कोर 11 ओवर में दो विकेट पर 106 रन पहुंच गया। वहीं पवन रत्नायके ने सबसे ज्यादा 40 रन बनाए। निसांका ने 22 गेंदों में 34 रन जबकि कुसल मेंडिस ने 17 गेंदों पर 32 रन बनाये। इंग्लैंड के लिए जोफ्रा आर्चर ने दो विकेट लिए जबकि विल जैक्स, लियाम डॉसन और आदिल रशीद को एक-एक विकेट मिला।

पाकिस्तान के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर सकती है आईसीसी

-लग सकता है प्रतिबंध, प्रसारकों को नुकसान की भरपाई करनी होगी

दुबई (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने अपनी अकड़ में भारत के खिलाफ टी20 विश्वकप मैच के बहिष्कार की घोषणा की है। ये घोषणा उसके पतन का कारण भी बन सकती हैं। इससे पहले से ही आर्थिक संकटों में फंसा पीसीबी और अधिक उसमें डूब सकता है। वहीं इस मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) भी उसके खिलाफ प्रतिबंध सहित कई और कठोर कदम उठा सकती है। आईसीसी ने पीसीबी के फैसले पर कड़ी नाराजगी जताते हुए कहा है कि अगर वो टी20 वर्ल्ड कप में तय कार्यक्रम के मुताबिक नहीं खेला तो उसके खिलाफ कड़े कदम उठाए जाएंगे। अब देखना होगा कि आईसीसी उसके खिलाफ क्या कार्रवाई कर सकता है। इस मामले में आईसीसी पाक टीम को पूरे टूर्नामेंट के लिए प्रतिबंधित कर सकता है। वहीं पीसीबी को मिलने वाला राजस्व रोका जा सकता है। पीसीबी से प्रसारकों को राजस्व नुकसान की भरपाई करने को कहा जा सकता है। इसके अलावा द्विपक्षीय सीरीज पर रोक लगायी जा सकती है। विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूटीसी) अंक और आईसीसी रैंकिंग भी घटाई जा सकती है। इसके अलावा पीएसएल में विदेशी खिलाड़ी के खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है।

पाकिस्तान के आईसीसी टूर्नामेंट में खेलने पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। इसके अलावा उसे दी जाने वाली सहायता भी रोकी जा सकती है। भारत-पाक टी20 मैच के लिए विज्ञापन की दर 25 लाख से 40 लाख रुपये प्रति 10 सेकेंड के बीच होती है। इससे विज्ञापन राजस्व नुकसान 200 करोड़ रुपये से अधिक हो सकता है हो पीसीबी से भरने को कहा जाएगा। पाकिस्तान को सबसे अधिक राजस्व पीएसएल से मिलता पर आईसीसी उसमें विदेशी खिलाड़ियों के भाग लेने पर रोक लगा सकती है।

आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा बीसीसीआई : राजीव शुक्ला

मुम्बई। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा है कि पाकिस्तान के टी20 विश्ककप में भारत के खिलाफ मुकाबले से हटने के मामले में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) से बात करने के बाद ही बोर्ड अपनी प्रतिक्रिया देगा। पाक सरकार के टी20 विश्वकप से हटने की घोषणा के बाद से ही पूर्व क्रिकेटरों ने इस इसपर बयान दिये हैं पर बीसीसीआई ने अभी कोई बयान नहीं दिया है। भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 विश्व कप 2026 का बहुप्रतीक्षित मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाना है। तटस्थ स्थल होने के बाद भी पाक मुकाबले में नहीं खेलना चाहता है जिससे बांग्लादेश के मुद्दे पर विरोध दर्ज करा सके। इससे पहले आईसीसी ने बांग्लादेश को हटाकर स्कॉटलैंड को टूर्नामेंट में शामिल किया है। बांग्लादेश सुरक्षा कारणों की वजह से भारत में कोई मैच नहीं खेलना चाहता था, आईसीसी के समझाने के बावजूद जब बांग्लादेश भारत में खेलने को तैयार नहीं हुआ तो आईसीसी ने उसे बाहर कर दिया। आईसीसी के इस फैसले पर ही अब पाकिस्तान अपनी नाराजगी दिखा रहा है। शुक्ला ने कहा कि बीसीसीआई पाकिस्तान के भारत के खिलाफ विश्व कप 2026 के ग्रुप-स्तर मैच के बहिष्कार के मामले पर आईसीसी से बात करने के बाद ही अपनी प्रतिक्रिया देगा। शुक्ला ने कहा, आईसीसी ने एक बड़ा बयान जारी किया है, उन्होंने खेल भावना के बारे में बात की है। हम आईसीसी से पूरी तरह सहमत हैं। इसीलिए उससे बात करने के बाद ही हम अपना जवाब देंगे।

भारतीय टीम के पास टी20 विश्वकप खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर : हरभजन

मुम्बई (ईएमएस)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व दिग्गज स्पिनर हरभजन सिंह ने कहा है कि टी20 विश्वकप में मेजबान भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन के अनुसार इस बार भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका व अफगानिस्तान की टीमें भी सेमीफाइल में पहुंचेंगी। हरभजन ने हालांकि दो बार की विजेता इंग्लैंड को 2026 इस बार खिताबी दावेदार नहीं माना है। विश्वकप की मेजबानी भारत और श्रीलंका की टीमें संयुक्त रुप से कर रही हैं। हरभजन ने कहा कि इस बार भी भारतीय टीम के पास खिताब बरकरार रखने का अच्छा अवसर है। हरभजन ने कहा, मुझे लगता है कि भारतीय टीम के पास अपनी धरती पर मैच होने के कारण जीतने का सुनहरा मौका है, भरतीय टीम अभी काफी अच्छी है और उसे घरेलू धरती पर प्रशंसकों का भी समर्थन मिलेगा।

टी20 विश्वकप के लिए फिट हुए तिलक

मुंबई। भारतीय क्रिकेट टीम के लिए एक अच्छी खबर है। बल्लेबाज तिलक वर्मा टी20 विश्वकप के लिए फिट हो गये है। तिलक को भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ने खेलने की अनुमति दे दी है। ऐसे में अब वह टी20 विश्व कप से पहले दो अभ्यास मैच खेलकर मुकाबले के लिए लय हासिल करेंगे। तक की कुछ समय पहले ही सर्ज़री हुई थी और इसी का वह न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीरीज से भी बाहर थे। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के पहले मैच में 7 फरवरी को मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में यूएसए से खेलना है। तिलक के न्यूज़ीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से बाहर होने पर भारतीय टीम ने उनकी जगह पर ईशान किशन को शामिल किया था। ईशान ने सीरीज में जबरदस्त प्रदर्शन किया था। ऐसे में तिलक की वापसी के बाद उन्हें पारी की शुरुआत के लिए भेजा जा सकता है। से में भारत ने लगभग सभी मैचों में नंबर तीन पर इशान किशन को खिलाया। वहीं ऑलराउंडर वॉशिंगटन सुंदर के भी विश्वकप तक फिट होने की उम्मीद है। भारतीय टीम को 2026 टी20 विश्व कप के लिए ग्रुप ए में है और उसका पहला मुकाबला 7 फरवरी को मुंबई में अमेरिका से होगा।

पाक कप्तान आगा बोले, भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का फैसला हमारा नहीं, हमें पीसीबी के अनुसार ही चलना होगा

लाहौर (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार और क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी20 विश्व कप क्रिकेट टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ मैच के बहिष्कार का जो फैसला लिया है। उससे पाक प्रशंसक और खिलाड़ी भी सहमत नहीं है। टीम के कप्तान सलमान आगा के बयान से ये साबित होता है। आगा ने कहा है कि भारत के खिलाफ 15 फरवरी के मैच का बहिष्कार करने का फैसला सरकार का है हमारा नहीं। पाक सरकार ने कहा था कि टीम टूर्नामेंट मे भाग लेगी पर भारत के खिलाफ मैच नहीं खेलेगी। पाकिस्तान सरकार ने यह फैसला बांग्लादेश को टूर्नामेंट से बाहर किये जाने के विरोध में लिया है।

आगा ने कहा है कि टूर्नामेंट में खेलने का फैसला खिलाड़ियों के हाथ में नहीं है। उन्होंने कहा कि टीम को सरकार और क्रिकेट बोर्ड के निर्देशों का पालन करना

होता है और खिलाड़ियों की निजी राय मायने नहीं रखती है। आगा ने यह भी कहा कि पाक टीम टूर्नामेंट के शेष मैच खेलेगी पर भारत के खिलाफ मैच को लेकर निर्देशों का पालन करेगी। सरकार के फैसले पर आगा ने कहा, 'हां, बिल्कुल, हम विश्वकप के लिए जाएंगे पर यह हमारा फैसला नहीं है और हम इसमें अपनी ओर से कुछ भी नहीं कर सकते। सरकार और बोर्ड जो भी निर्देश देगा। हमें उसका पालन करना होगा। जो सरकार कहेगी, वही होगा और हम वैसा ही करेंगे।' दोनो टीमों का मुकाबला 15 फरवरी को कोलंबो के आर. प्रेमदासा स्टेडियम में रखा गया है। पाकिस्तान, भारत के साथ ही ग्रुप ए में है, जिसमें नामीबिया, नीदरलैंड्स और अमेरिका की टीमें भी शामिल हैं. पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।

वहीं पाकिस्तान सरकार के इस फैसले पर अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने कड़ी नाराजगी जताते हुए यह साफ किया कि किसी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में इस प्रकार का फैसला स्वीकार नहीं किया जा सकता है। आईसीसी को हालांकि अभी तक पीसीबी ओर से कोई औपचारिक सूचना नहीं मिली है पर आईसीसी ने कहा कि तय हो चुके मैच को छोड़ना किसी भी टूर्नामेंट के सिद्धांतों के खिलाफ है। साथ ही कहा कि इसका प्रभाव लंबे समय तक पड़ेगा। आईसीसी को उम्मीद है कि पीसीबी इससे पड़ने वाले नकारात्मक प्रभाव को ध्यान में रखते हुए अपनी फैसले पर फिर विचार करेगा। आईसीसी इस मामले में पाक कार्रवाई कर सकता है। वह विदेशी खिलाड़ियों के पाक ममें पीएसएल में खेलने पर रोक तक लगा सकता है। इसके अलावा पाकिस्तान को आईसीसी टूर्नामेंट की मेजबानी का अधिकार भी नहीं मिलेगा।

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में हार के बाद भी निराश नहीं, भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीदें

मेलबर्न (एजेंसी)। अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ऑस्ट्रेलियाई ओपन में इटली के जैनिक सिनर के खिलाफ हार के बाद भले ही खिताबी मुकाबले से बाहर हो गये हैं पर उनका मनोबल कम नहीं हुआ है। शेल्टन का कहना है कि उसे सीधे सेटों में हार का सामना करना पड़ा है पर इसके बाद भी सकारात्मक बात ये है कि उसके खेल में काफी सुधार भी हुआ है और अब वह भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की तैयार करेगा। आठवीं वरीयता प्राप्त शेल्टन इस टूर्नामेंट में क्वार्टरफाइनल तक के सफर में केवल एक सेट हारे हैं ।शेल्टन ने साफ कहा कि उनके खेल में सुधार हुआ है। अब वह अपने को पहले से कहीं ज्यादा संतुलित खिलाड़ी मानते हैं। शेल्टन का मानना है कि आने वाले समय में उन्हें आगे बढ़ने के लिए केवल एक जीत की ही जरुरत है। शेल्टन ने यह भी कहा कि ग्रैंड स्लैम के दबाव में खेलने केअनुभव से उन्हें सबसे ज्यादा उत्साह मिलता है। उनके अनुसार बड़े मंच पर मुकाबला करने के कारण उनहें लगातार बेहतर प्रदर्शन की प्रेरणा मिलती है। शेल्टन ने साल 2023 में ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खेला था। इसके बाद से ही तीन एटीपी खिताब जीते हैं। वह एटीपी रैंकिंग में टॉप-5 में भी पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि सिनर के खिलाफ कई बार वह अच्छी स्थिति में पहुंचे थे पर वह ब्रेक अंक का लाभ नहीं उठाने के कारण सफल नहीं हुए।

सचिन ने ऑस्ट्रेलियन विजेता अल्काराज को बधाई दी, धैर्य नहीं खोने के कारण बने विजेता

मुम्बई। महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर क्रिकेट के अलावा अन्य खेलों में भी रुचि लेते हैं और समय-समय पर उनके स्टार खिलाड़ियों की भी प्रशंसा करते रहे हैं। इसी कड़ी में अब सचिन ने अपना पहला ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले स्पेन के कार्लोस अल्काराज को बधाई दी है। तेंदुलकर ने पूरे ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट में अल्काराज के संयमित खेल को धैर्य की तारीफ की। तेंदुलकर ने साशेल मीडिया में लिखा, इस टूर्नामेंट में सबसे अधिक ध्यान देने योग्य बात ये थी कि अल्काराज ने अभी भी अपना धैर्य नहीं खोया। वह लंबी रैलियों में भी शांत रहे जिससे उनके विरोध खिलाड़ी पर दबाव बना रहा। उन्होंने समझदारी से अपने अवसर तलाशे। जिस तरह से उन्होंने कोर्ट में फुर्ती दिखायी उसकी हम सभी प्रशंसा करते हैं।

भारत में मिले अनुभवों का लाभ टी20 विश्वकप में मिलेगा : सैंटनर

तिरुवनंतपुरम। न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि उनकी टीम का लक्ष्य टी20 विश्व कप में जीत के इरादे से उतरना होगा। इसके लिए उनकी टीम पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिले अनुभवों का लाभ उठाएगी। सैंटनर के अनुसार उनकी टीम भारत में अपने पिछले अनुभवों और विभिन्न हालातोंसे तालमेल बिठाने की क्षमता के आधार पर अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने का प्रयास करेगी । कीवी टीम को विश्कप में अफगानिस्तान, यूएई, दक्षिण अफ्रीका और कनाडा के साथ ग्रुप बी में रखा गया है। वह ग्रुप चरण के तीन मैच चेन्नई में और एक मैच अहमदाबाद में खेलेगा। इनमें से उसके दो मैच सुबह 11 बजे शुरू होंगे, जबकि अन्य मैच दोपहर तीन बजे और शाम सात बजे शुरू होंगे। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारे कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जिन्होंने हाल में आईपीएल में या अपने करियर के दौरान चेन्नई में मैच खेले हैं। जिसका लाभ उन्हें मिलेगा मुझे लगता है कि पिछले कुछ साल में यह देखा गया है कि चेन्नई की पिच काफी अच्छी है। सैंटनर ने कहा कि न्यूजीलैंड के पास इस चुनौती का सामना करने के लिए अनुभवी खिलाड़ी हैं। उन्होंने कहा, दिन का खेल थोड़ा अलग होने वाला है। खिलाड़ियों को अपने रुटीन में बदलाव करना होगा। उन्हें सुबह जल्दी उठकर अभ्यास करना होगा। हम लाल मिट्टी की पिच पर एक मैच खेलने के लिए अहमदाबाद जाएंगे और फिर हम काली मिट्टी की पिच पर खेलने के लिए चेन्नई जाएंगे। इसलिए यह मैदान कुछ अलग होगा। सैंटनर ने कहा, मुझे लगता है कि हमारी टीम को अलग-अलग तरह के हालातों के अनुसार अपने को ढालना होगा। चेन्नई में हम तीन मैच खेलेंगे और वहां की पिच अहमदाबाद की की पिच की तुलना में अलग रहेगी जिसके अनुसार हमें ढ़लना होगा।

पीडब्ल्यूएल 2026: हरियाणा थंडर ने रोमांचक फाइनल में दिल्ली दंगल वॉरियर्स को हराया

नोएडा (एजेंसी)। हरियाणा थंडर रविवार को नोएडा इंडोर स्टेडियम में दिल्ली दंगल वॉरियर्स के खिलाफ फाइनल में आखिरी बाउट तक चले मैच के बाद प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 का चैंपियन बन गया।

आठ बाउट के बाद स्कोर 4-4 से बराबर था, नतीजा आखिरी महिलाओं की 62 किलोग्राम बाउट पर निर्भर था, जिसमें पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट इरीना कोलियाडेन्को ने दबाव में शानदार प्रदर्शन किया। उनकी शानदार टेक्निकल जीत ने हरियाणा थंडर को 5-4 से जीत दिलाई और पीडब्ल्यूएल 2026 का खिताब दिलाया, जो लीग के इतिहास के सबसे नाटकीय फाइनल में से एक था।

हरियाणा थंडर पीडब्ल्यूएल 2026 ट्रॉफी के साथ 1.5 करोड़ रुपये की इनामी राशि घर ले जाएगा। रनर-अप, दिल्ली दंगल वॉरियर्स को 75 लाख रुपये मिलेंगे। व्यक्तिगत पुरस्कारों में, दिल्ली दंगल वॉरियर्स के तुरान बायरामोव ने 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में सभी 7 बाउट जीतकर और पीडब्ल्यूएल 2026 में कुल 59 अंक हासिल करके 2.5 लाख रुपये का 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट' खिताब जीता। पंजाब रॉयल्स के चंदरमोहन टूर्नामेंट के टॉप पॉइंट स्कोरर थे।

नेहा सांगवान (हरियाणा थंडर) को आखिरी बाउट तक फाइनल को प्रतिस्पर्धी बनाए रखने के लिए 'प्लेयर ऑफद मैच' का पुरस्कार मिला। रौनक (दिल्ली दंगल वॉरियर्स) को पुरुष 125 किलोग्राम वर्ग में अपने शानदार प्रदर्शन के लिए 'फाइटर ऑफद मैच' का सम्मान मिला। 'इंपैक्ट प्लेयर ऑफ द मैच' अक्षय धेरे (हरियाणा थंडर) थे, जिन्हें 57 किलोग्राम पुरुष वर्ग में उनके मजबूत प्रदर्शन के लिए पहचाना गया।

चैंपियनशिप की रात दिल्ली ने बढ़त के साथ शुरू की, जब अजेय तुरान बायरामोव ने 74 किलोग्राम पुरुष बाउट जीती, जल्दी ही शुरुआती बढ़त बनाई और 8-1 से जीत हासिल करने के लिए नियंत्रण बनाए रखा। हरियाणा ने 76 किलोग्राम महिला वर्ग में तुरंत जवाब दिया, जहां अंडर20 विश्व चैंपियन काजल धोचक ने यूरोपीय चैंपियन अनास्तासिया अल्पीयेवा को 3-1 से हराकर स्कोर बराबर कर दिया।

65 किलोग्राम पुरुषों के मैच में मोमेंटम तब बदला जब दिल्ली के कप्तान सुजीत कल्कल ने शानदार वापसी करते हुए वर्ल्ड चैंपियनशिप के सिल्वर मेडलिस्ट तुमुर ओचिर तुलगा को 8-6 से हरा दिया। हरियाणा ने तुरंत अपनी स्टार और कई बार की वर्ल्ड चैंपियन यूई सुसाकी के साथ जवाब दिया, जिन्होंने सारिका पर शानदार टेक्निकल जीत हासिल करके अपना कौशल दिखाया और स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया।

86 किलोग्राम पुरुषों के मैच में दिल्ली ने फिर से बढ़त बना ली, जब एशियन चैंपियनशिप के ब्रॉन्ज मेडलिस्ट वफाईपुर हादी बख्तियार ने अशिरोव अशरफ को 11-0 से हरा दिया। हरियाणा ने जोरदार जवाब दिया, जिसमें अक्षय धेरे ने 57 किलोग्राम पुरुषों के इवेंट में दिल्ली के अमित कुमार को टेक्निकल सुपीरियरिटी से हरा दिया।

हेवीवेट मैच निर्णायक था, जिसमें रौनक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अनिरुद्ध गुलिया को 12-2 से हराया, जिससे दिल्ली को 4-3 की

बढ़त मिली। हरियाणा ने हार नहीं मानी, और नेहा सांगवान ने 57 किलोग्राम महिलाओं के मुकाबले में अंजलि को पिन करके मैच को जारी रखा, जिससे स्कोर 4-4 से बराबर हो गया।

चैंपियनशिप दांव पर लगी थी, और इरीना कोलियाडेन्को ने महत्वपूर्ण 62 किलोग्राम महिलाओं के मैच में कदम रखा। अपने अनुभव और शांत स्वभाव का फायदा उठाते हुए, पेरिस ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट ने लगातार टर्न-एंड-एक्सपोजर मूव्स से अंजलि को हराया और 16-0 से टेक्निकल जीत हासिल की। इस जीत ने उन्हें हरियाणा थंडरर्स के लिए खिताब दिलाया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बच्चों को सिखाएं काम-काज, उनकी काम में मदद करें

घर में छोटे बच्चे हो तो घर व्यवस्थित रहेगा, इसकी कल्पना करना भी बेकार है क्योंकि बच्चे घर के सामान को खेल-खेल में बिखेर देते हैं। ऐसे में जरूरी है कि वीकेंड पर बच्चों से ही घर को व्यवस्थित करा लिया जाए, जिससे वे घर का रख-रखाव सीख जाएंगे और घर को व्यवस्थित रखने में आपकी मदद भी कर देंगे।

बच्चों को टास्क दें

कोई भी बच्चा एक दिन में पूरे घर की सफाई करना नहीं सीख सकता। वीकेंड पर बच्चों को छोटी-छोटी चीजें व्यवस्थित करना सिखाएं। इसके लिए उन्हें घर के किसी एक कोने को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दे सकती हैं। आप उन्हें उनके वॉर्डरोब के सामान को व्यवस्थित करने की जिम्मेदारी दें परन्तु उन्हें यह जरूर बताएं कि पहले सारे कपड़े वॉर्डरोब से बाहर निकालें और फिर उन्हें दोबारा तह कर के वॉर्डरोब में लगाएं। उसके बाद कपड़े वॉर्डरोब में इस तरह रखें कि उन्हें इस्तेमाल करने के लिए निकालना आसान रहेगा।

उनकी काम में मदद करें

यदि आपको लगे कि बच्चा अपना काम ठीक से नहीं कर पा रहा है तो बीच-बीच में उसकी मदद करें तथा काम को सही ढंग से करने का तरीका बताएं। उसे बचाएं कि शर्ट कैसे तह की जाती, मोजों को हमेशा जोड़ा बनाकर रखते हैं ताकि वे खोएं नहीं। यहीं नहीं कपड़े शैल्फ में कैसे रखे जाते हैं यह भी उन्हें करके बताएं। यदि आप उन्हें बुक शैल्फ अरेंज करने का काम दे रही है तो उन्हें बताएं कि बुक शैल्फ में सबसे पहले बड़ी किताबें सैट की जाती हैं, फिर उससे छोटी और सबसे आगे छोटे आकार की किताबें रखी जाती हैं।

म्यूजिक लगाएं

बच्चा काम को एन्जॉय करते हुए सीख पाए, इसलिए उसकी पसंद का म्यूजिक लगा दें। बीच-बीच में छोटा-सा ब्रेक लेकर उसके साथ डांस करें। म्यूजिक के साथ काम करने में उसे मजा भी आएगा और आसानी से काम भी सीख जाएगा।

खेल और ईनाम

नया काम सीखते समय बच्चा बोर न हो, इसलिए उसे खेल-खेल में काम सिखाने की कोशिश करें। आप पांच मिनट का अलार्म लगा दें और कहें कि यदि वह पांच मिनट में पांच जोड़े जूते अल्मारी में रख देगा तो उसे चॉकलेट मिलेगी। यदि बच्चा समय पर अपना टास्क पूरा कर ले तो उसके प्रयास की तारीफ करें और अपना प्रॉमिस भी निभाएं।

सबके सामने तारीफ करें

जब बच्चा अपना काम पूरा कर ले तो उसकी मनपसंद चीज उसे ईनाम में दें या उसकी पसंदीदा डिश बना कर उसे खिलाएं। यही नहीं परिवार के अन्य सदस्यों के सामने भी उसकी तारीफ करें। इससे उसे न केवल अपना टास्क पूरा करने की खुशी मिलेगी, बल्कि आपका प्यार और आपका साथ उसमें नई ऊर्जा का संचार करेगा।

बढ़ती उम्र में जीवनशैली में बदलाव से नजर आयेंगी युवा

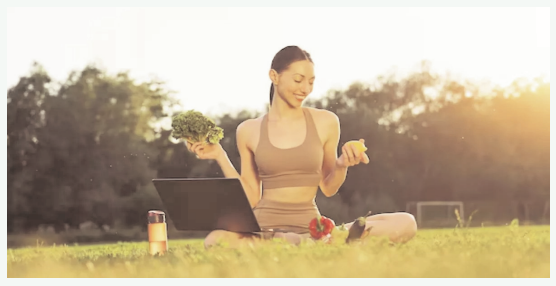

अगर आप चाहती हैं कि बढ़ती उम्र में भी खूबसूरत और युवा नजर आयें तो अपनी जीवनशैली में इस प्रकार के बदलाव करें।

नियमित व्यायाम करें

अगर आप चाहती हैं कि आपका शरीर उम्र के साथ ढीला न पड़े तो रेजिस्टेंस ट्रेनिंग आपकी रूटीन का हिस्सा होनी चाहिए। वेट ट्रेनिंग आपकी बॉडी मसल्स को मेंटेन रखती है। इसके लिए हल्का वजन उठाने से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन की मात्रा बढ़ाएं। बेहतरीन रिजल्ट के लिए वेट ट्रेनिंग के दौरान पूरी बॉडी पर फोकस करें।

प्रोटीन का अधिक सेवन करें

प्रोटीन की कमी से शरीर में मसल लॉस हो सकता है। 50 साल के बाद आपके शरीर को पहले से ज्यादा प्रोटीन की जरूरत होती है। देखा जाए तो पर किलो वजन के हिसाब से आपके शरीर को 0.8 ग्राम वजन की जरूरत होती है।

खुद को जवान और स्वस्थ बनाए रखने के लिए तीनों बार खाने में प्रोटीन शामिल करें। सिर्फ डिनर में प्रोटीन के बजाय ब्रेकफस्ट और लंच में भी इसे शामिल करें।

विटमिन डी की मात्रा का रखें ध्यान

सनशाइन विटमिन आपके शरीर में काफी परिवर्तन ला सकता है। अगर आपके शरीर में विटमिन डी कम है तो ध्यान रखें कि सुबह सूरज की रोशनी में समय बिताएं और विटमिन डी खाने में शामिल करें।

डायट में शामिल करें ऐंटीऑक्सिडेंट्स

ग्रीन टी में पर्याप्त मात्रा में ऐंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं। इससे आपका मेटाबॉलिक रेट सही रहता है साथ ही फिजिकल परफॉर्मेंस भी सुधरता है। आप अनार खाना भी शुरू कर सकते हैं। ऐंटीऑक्सिडेंट्स फ्री रेडिकल्स से लड़ते हैं जिससे आपकी त्वचा अंदर से खूबसूरत बनती है और उम्र का असर नहीं दिखता।

हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप कई बीमारियों से रहेंगे दूर

अगर आप हर दिन 30 से 40 मिनट एक्सरसाइज करते हैं तो आप बहुत सी बीमारियों से दूर रहते हैं। एक सर्वेक्षण में कहा गया है अगर कोई आदमी 70 साल का है और वह हर रोज एक्सरसाइज करता है तो उसकी उम्र बढ़ जाती है और बीमारियों से भी दूर रहता है। यह स्वस्थ रहने के लिए यह सबसे बड़ा नुस्खा है।

पौष्टिक भोजन

स्वस्थ रहने के लिए अच्छा भोजन या कहें बैलेंस डाइट की बहुत जरूरत होती है क्योंकि आप जानते हैं ज्यादातर बीमारी गलत डाइट से होती है इसलिए बैलेंस डाइट को अपनाएं! आपके भोजन में उपयुक्त 3 से 5 लीटर पानी पिए हैं। फल और सब्जी खाएं, खाना को चबाकर खाएं, रात में कम खाना कम खाएं, किसी भी एक चीज का ज्यादा मात्रा में सेवन ना करें। कोशिश करें प्रकृति ने जो कुछ आपको खाने के लिए दिया है वह सबकुछ का मजा लें।

स्वस्थ मस्तिष्क

यह आपके जिंदगी का यह एक बहुत ही महत्वपूर्ण पहलू है! लोग इस पर ध्यान कम देते हैं ! दुख देने वाले से दूर रहें, सोते समय ना सोचे, कमाई से अधिक खर्च ना करें, किसी से झूठा वादा ना करें, जिसको आप पूरा ना कर सके, बिना मतलब का कुछ ना सोचें हैं, अच्छे लोगों से मिले हैं और उसे दोस्त करें खूब हंसे और दूसरे को हंसाने की कोशिश करें। दिमाग का सीधा रिश्ता दिल से होता है अगर आप तनाव में रहते हैं तो आपका ब्लड प्रेशर बढ़ता है जिस से बहुत सारी बीमारियां होती हैं जैसे हार्ट अटैक आदि। अपने लाइफ स्टाइल को ठीक करें जल्दी सोए और जल्दी जगे। चिंता, क्रोध, शोक, शक और दूसरों से उम्मीद करना छोड़ें।

अच्छी नींद

वैज्ञानिक मानते हैं कि नींद सबसे बड़ी दवा है आप गौर कीजिए जब आप काम करके बहुत ज्यादा थक जाते हैं। अगर आप गहरी नींद से सोते हैं तो सुबह अपने आप को आप तरोताजा पाते हैं। इसीलिए कहा जाता है अच्छी नींद का होना बहुत जरुरी है। कम नींद होना या ज्यादा नींद का होना इसका सीधा प्रभाव स्वास्थ्य पड़ता है। वैज्ञानिक अध्ययन से पाया गया है कि 8 घंटा से ज्यादा और 6 घंटे से कम नहीं सोना चाहिए। सोते समय सोचना नहीं चाहिए जिससे आपकी नींद खराब होती है और आप सही सोच भी नहीं पाते हैं क्योंकि आप थके हुए होते हैं!

लोग अपनी बीमारियों को डालने की कोशिश करता है या फिर अपनी बीमारियों को झूठलाता है कि मुझे यह बीमारी नहीं है इसका चयन स्वयं करें। डॉक्टरी सलाह अवश्य लें समय रहते अगर आप डॉक्टर से मिलते हैं तो आप का इलाज कम खर्च में जल्दी हो जाता है।

विश्व स्वास्थ संगठन अपने गाइडलाइंस में कई बार बता चुका है कि आप हर रोज पांच अलग कलर का फल खाएं! संडे हो या मंडे हर दिन एक अंडे कम से कम खाएं। साफ पानी तीन से 5 मीटर हर दिन पीने की कोशिश करें। दूध का इस्तेमाल करें चाय पीने में दूध का इस्तेमाल होना इसे दूध का सेवन नहीं माना जाता है दूध पिए हैं या धूप से बना हुआ खाना खाएं।

खुश रहने के बहाने खोजें

सिर्फ अपने आपको कामनाएं वयस्त रखना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है! आप कामभी करें साथ ही साथ खुश रहने के लिए अलग-अलग तरीकों को अपनाएं जैसे खेल कूद में भाग लेना, फिल्म देखना, अपने मनपसंद दोस्त से मिलना, घूमने जाना, मजाकिया आदत रखना, और मनपसंद खाना खाना आदि।

स्वस्थ रहने के लिए हाइजीन का होना बहुत जरूरी है सिर्फ अपने आप को साफ करना बहुत बड़ी बात नहीं है! आप जो समान इस्तेमाल करते हैं उसका भी साफ होना उतना ही जरुरी है और जहां पर आपका खाना पकता है उसका भी साफ होना जरूरी है।

इस प्रकार मेंहदी लगेगी खूबसूरत

मेंहदी लगाना न केवल सोलह श्रृंगार में से एक है बल्किर इसे शुभ शगुन के तौर पर भी देखा जाता है। हमारे देश में कोई भी खास मौका हो, हाथों में मेंहदी रचाए बिना पूरा नहीं माना जाता। पर मेंहदी तभी खूबसूरत लगती है, जब उसका रंग गहरा हो और यह सही से रचे। मेहंदी का एक खास गहरा लाल रंग होता है जो हाथों पर बेहद खूबसूरत लगता है।

कई बार ऐसा होता है कि मेंहदी लगी तो बहुत अच्छी होती है लेकिन सही से न रचने के कारण खूबसूरत डिजाइन भी खिलकर नहीं आ पाता। ऐसे में आप इन उपायों को अपनाकर गहरी और खूबसूरत मेंहदी रचा सकती हैं। पहले यह तय कर लें कि आपकी मेंहदी का घोल अच्छे से तैयार किया गया हो।

इन उपायों को अपनाने से गहरी रचेगी मेंहदी – मेंहदी लगाने के बाद धैर्य रखना बहुत जरूरी है। कम से कम पांच से छह घंटे के लिए मेंहदी को हाथों पर रचे रहने दें। इससे मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। नींबू और चीनी के घोल के इस्तेमाल से भी मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है। दरअसल, इस घोल को लगाने से मेंहदी ज्यादा देर के लिए हाथों में चिपकी रहती है और इससे उसका रंग गहरा हो जाता है। मेंहदी छुड़ाने के लिए पानी का इस्तेमाल न करें। हो सके तो 10 से 12 घंटों तक हाथों पर पानी के इस्तेमाल से बचें। साबुन के इस्तेमाल से दूर ही रहें तो बेहतर होगा। मेंहदी छुड़ाने के बाद सरसों के तेल को हाथों पर मल लें। इन उपायों को अपनाने से मेंहदी का रंग गहरा चढ़ता है।

ठंडी रोटी गर्म करने का कमाल का नुस्खा जान लें, रोटियां बनी रहेंगी बिल्कुल सॉफ्ट

खाने का मजा तो गर्मगर्म ही आता है। दाल, सब्जी, रोटी, चावल हर चीज तब फ्रेश और गर्म रहती है तो स्वाद बढ़ जाता है। खासतौर पर रोटियां तो गर्म ही अच्छी लगती हैं। क्योंकि इन्हें दोबारा से गर्म करने पर अकड़ जाती है या कड़क हो जाती है। लेकिन भागदौड़ भरी लाइफ में ज्यादातर लोग रखा हुआ खाना खाते हैं। चाहे मेड खाना बनाकर जाए या खुद से खाना बनाना हो अक्सर रोटियों को सेंककर कैसरोल में बंद कर दिया जाता है। लेकिन सर्दी के दिनों जब सारी चीजें जल्दी से ठंडी हो जाती हैं तो कैसरोल में रखी रोटी पर भी असर होगा ही, रोटियां भी जल्दी से ठंडी हो जाती है। अब इन रोटियों को दोबारा से अगर गर्म किया जाए तो ये कड़क हो जाती है और अगर घी लगाकर गर्म किया जाए तो रोटियों का न्यूट्रिशन कम हो जाता है। ठंडी रोटियों को गर्म करने की ऐसी ट्रिक जान लें। जिससे तवा चढ़ाए बगैर रोटियां गर्म भी जाएं और उनकी सॉफ्टनेस भी खत्म ना हो। ऐसे में ये हैक आपकी मदद कर सकता है।

ठंडी रोटियों को गर्म करने का हैक

सर्दियों में रखी हुई रोटियों को गर्म करना है और साथ ही उसे सॉफ्ट और मुलायम बनाए रखने के लिए ये नुस्खा बड़े काम का साबित हो सकता है।

इसके लिए कैसरोल की बजाय बस किसी स्टील के टिफिन में रोटियों को सेंककर रख दें। साथ ही रोटियों को कपड़े में लपेट दें, जिससे उनका मॉइश्चर ना उड़े।

जब खाना टेबल पर लगा रही हो तो उसी वक्त स्टील के टिफिन में रखी कपड़े से ढंकी रोटियों को कुकर के अंदर रखें और ढक्कन बंद कर दें।

ध्यान रहे कि कुकर की सीटी को नहीं निकालना है। बस दो से तीन मिनट में जब भाप बन जाए तो गैस की फ्लेम को बंद कर दें। साथ ही सीटी पूरी बजनी भी नहीं चाहिए। बस भाप बन जाए, इतने में ही रोटियां अंदर तक पूरी गरम हो जाएंगी।

साथ ही ये रोटियां सॉफ्ट भी बनी रहेंगी।

अधिकतर तवे पर रोटी को दोबारा गर्म करने पर अकड़ जाती हैं। लेकिन ये हैक बिना झंझट झटपट ठंडी रोटियों को गर्म करने में मदद करेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंडमान तक डोली धरती : बारामूला और द्वीप समूह में 4.6 तीव्रता के भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के दो अलग-अलग हिस्सों में सोमवार तड़के भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। जम्मू-कश्मीर के बारामूला और अंडमान-निकोबार द्वीप समूह में आए इन झटकों से लोगों के बीच दहशत फैल गई। हालांकि, राहत की बात यह रही कि अब तक कहीं से भी जान-माल के नुकसान की कोई सूचना नहीं मिली है। अधिकारियों के अनुसार, भूकंप के लिहाज से बेहद संवेदनशील जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में सुबह करीब 5:35 बजे धरती कांपी। रिक्टर पैमाने पर इसकी तीव्रता 4.6 मापी गई है। भूकंप का केंद्र पत्तन इलाका बताया जा रहा है। जिस वक्त झटके महसूस किए गए, उस समय अधिकांश लोग भीषण ठंड के कारण अपने घरों में सो रहे थे। अचानक आए कंपन के चलते लोग घबराकर बाहर निकल आए। इससे पहले, सोमवार तड़के करीब 3:30 बजे अंडमान और निकोबार द्वीप समूह में भी 4.6 तीव्रता का भूकंप दर्ज किया गया। नेशनल सेंटर फॉर सिस्मोलॉजी के आंकड़ों के मुताबिक, इस भूकंप का केंद्र जमीन से लगभग 10 किलोमीटर की गहराई में स्थित था। ज्ञात हो कि अंडमान-निकोबार द्वीप समूह भूकंपीय जोन-5 में आता है, जिसे दुनिया के सबसे अधिक सक्रिय भूकंपीय क्षेत्रों में से एक माना जाता है। आपदा प्रबंधन टीमें दोनों ही क्षेत्रों में स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं।

वोट काटने के लिए एक बूथ ही व्यक्ति के नाम से 178 शिकायत, जांच में फर्जी पाई गई शिकायतें

भिंड (एजेंसी)। मध्यप्रदेश के भिंड में एसआईआर सर्वे के बाद काटे गए वोटों को दुबारा जोड़ने के लिए जारी नोटिस का जवाब देने वोटर को फिर अपनी पहचान साबित करना पड़ रही है। इस बीच भाजपा के बीएलए (बूथ लेवल एजेंट) के नाम से फॉर्म 7 भरकर बड़ी संख्या में वोट काटने की शिकायतें सामने आई हैं। जांच में फार्म 7 में की गई सभी शिकायत फर्जी साबित हुईं। शहर के बूथ क्रमांक 107, 108, 101 सहित ज्यादातर बूथ पर भाजपा बीएलए के नाम से फर्जी शिकायत मिली हैं। कई वार्ड में एक साथ 178 से अधिक वोट काटने की शिकायत आई हैं। गर्ल्स स्कूल के पास मौजूद बूथ 107 पर भाजपा बूथ बीएलए अभिषेक मिश्रा के नाम पर 178 वोट काटने की शिकायत के फार्म सामने आए हैं। इसबारे में जब भाजपा बूथ बीएलए से जानकारी ली, तब उन्होंने बताया कि उनके द्वारा कोई फॉर्म 7 नहीं भरा गया है। इस संबंध में उन्होंने लिखित रूप से अधिकारियों को जानकारी दी है। ज्ञात हो कि यह सभी फार्म 7 विधानसभा निर्वाचन ऑफिस में दिए गए थे। वोट काटने के लिए मिले शिकायती फार्म की जांच करते हुए जब शिकायतकर्ता बीएलए से जानकारी ली गई, तब उन्होंने कहां कि मैंने कोई शिकायत नहीं की है। बीएलओ सुयोग्य मिश्रा ने बताया कि फार्म 7 की शिकायतों की जांच कर इस संबंध में जानकारी वरिष्ठ अधिकारियों को दी है।

किशोरी का अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की सख्त सजा

श्रीनगर (एजेंसी)। श्रीनगर की एक फास्ट ट्रैक कोर्ट ने नाबालिग लड़की के अपहरण और यौन उत्पीड़न मामले में आरोपी को 14 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने आरोपी पर 15,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। यह सजा भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 363 (अपहरण), 376 (बलात्कार) और पॉक्सो अधिनियम के तहत दर्ज मामले में सुनाई गई। मामले के संबंध में पुलिस ने बताया था, कि यह मामला 11 अप्रैल 2021 का है, जब एक किशोरी के अपहरण और यौन उत्पीड़न की शिकायत एमआर गंज पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई थी। शिकायत मिलते ही श्रीनगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पीड़िता को सुरक्षित बरामद किया गया और मामले से जुड़े अहम गवाहों के बयान दर्ज किए गए। पुलिस ने बताया कि जांच प्रक्रिया के तहत सभी आवश्यक कानूनी औपचारिकताओं का पालन किया गया। इसमें पीड़िता की मेडिकल और फोरेंसिक जांच, साक्ष्यों का संग्रह और परिस्थितिजन्य प्रमाण जुटाना शामिल था। जांच पूरी होने के बाद पुलिस ने पॉक्सो मामलों के लिए नामित श्रीनगर की फास्ट ट्रैक कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की। अदालत में चले विस्तृत ट्रायल के दौरान अभियोजन पक्ष ने पुख्ता सबूत पेश किए, जिनके आधार पर कोर्ट ने आरोपी को संदेह से परे दोषी पाया। इसके बाद 30 दिसंबर 2025 को अदालत ने आरोपी को दोषी ठहराते हुए 14 साल की जेल की सजा और जुर्माने का आदेश सुनाया। श्रीनगर पुलिस ने फैसले का स्वागत करते हुए कहा कि यह सजा बच्चों के खिलाफ अपराधों से जुड़े मामलों में पुलिस और न्याय प्रणाली की गंभीरता और प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

यात्री की शिकायत पर इंडिगो एयरलाइंस पर 25 हजार का जुर्माना

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु की उपभोक्ता अदालत ने इंडिगो एयरलाइंस पर एक यात्री के साथ हुई लापरवाही के मामले में 25,000 रुपये का जुर्माना ठोक दिया है। यह घटना 5 मार्च 2024 की है, जब इंडिगो की एक अंतरराष्ट्रीय उड़ान बैंकॉक से बेंगलुरु आ रही थी। उड़ान भरने के कुछ ही मिनटों बाद केबिन क्रू की लापरवाही के कारण एक यात्री पर गर्म नॉन-वेज करी गिर गई, जिससे यात्री को शारीरिक और मानसिक परेशानी झेलनी पड़ी। रिपोर्ट के अनुसार, एक फ्लाइट अटेंडेंट की गलती से गर्म करी का पैकेट नीचे गिरकर सीधे यात्री के ऊपर आ पड़ा। हादसे में यात्री के कपड़े पूरी तरह खराब हो गए और यात्री को जलन, असहजता और सार्वजनिक शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा। यात्री ने बताया कि वह शाकाहारी है और नॉन-वेज खाने की बदबू और दाग-धब्बों से मुझे गहरा मानसिक आघात पहुंचा। इसके अलावा, यात्री ने दावा किया कि उसके इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और बैग को भी नुकसान हुआ। घटना के बाद इंडिगो एयरलाइंस ने अपनी गलती स्वीकार कर यात्री को 5,000 रुपये का ट्रैवल वाउचर देने की पेशकश की, लेकिन यात्री इससे संतुष्ट नहीं हुआ। उसने उपभोक्ता अदालत में शिकायत दर्ज कराई और 5 लाख रुपये मुआवजे की मांग की। मामले की सुनवाई के बाद उपभोक्ता आयोग ने माना कि ओवरहेड बिन में गर्म भोजन रखना यात्रियों की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा है।

पुणे पोर्श हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा- नाबालिगों का शराब पीना और कार चलाना बेहद दुखद

-कोर्ट ने दे दी 3 आरोपियों को जमानत

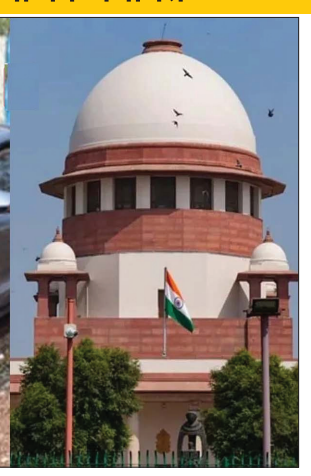

नई दिल्ली (एजेंसी)। बहुचर्चित पुणे पोर्श कार हादसा मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को तीन आरोपियों को जमानत दे दी। सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने नाबालिगों द्वारा शराब पीने और वाहन चलाने की घटनाओं पर गहरी चिंता जताते हुए इसे बेहद दुखद बताया। कोर्ट ने इस तरह की घटनाओं के लिए माता-पिता की जिम्मेदारी पर भी कड़े शब्दों में टिप्पणी की है।

मामले की सुनवाई करे रहे जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जल भुयान की पीठ ने कहा, कि ऐसे मामलों में केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि माता-पिता को भी जिम्मेदार ठहराया जाना चाहिए, क्योंकि कई बार वे अपने बच्चों पर पर्याप्त नियंत्रण नहीं रख पाते। कोर्ट ने नाबालिगों को कार चलाने की अनुमति देने और उन्हें इस तरह के जश्न में शामिल होने देने पर गहरी नाराजगी जाहिर की। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नाबालिगों द्वारा शराब का सेवन और फिर तेज रफ्तार कार चलाना समाज के लिए गंभीर खतरा है।

जस्टिस नागरत्ना ने अपनी टिप्पणी में कहा, कि पहले नाबालिगों के रूप में शराब का सेवन, फिर उन्हें कार देना और इस तरह जश्न मनाना बेहद दुखद है। आखिरकार माता-पिता बच्चों पर नियंत्रण नहीं रख पाते और वे कार की चाबी ले लेते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि मादक द्रव्यों का सेवन अपने आप में गंभीर मुद्दा है, लेकिन नाबालिगों को कार की चाबियां और मौज-मस्ती के लिए पैसे देना पूरी तरह अस्वीकार्य है। पीठ ने कहा कि शराब पीकर जश्न मनाने और तेज गति से वाहन चलाने के कारण सड़क पर चल रहे निर्दोष लोगों या सड़क किनारे सो रहे लोगों की जान जाना अत्यंत निंदनीय है। ऐसे मामलों में कानून को सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए।

जस्टिस नागरत्ना ने सामाजिक पहलू पर भी टिप्पणी करते हुए कहा कि आजकल कई माता-पिता के पास अपने बच्चों के साथ समय बिताने का वक्त नहीं होता। इसके विकल्प के तौर पर उन्हें पैसा, एटीएम कार्ड और सुविधाएं दे दी जाती हैं, जिससे बच्चे मोबाइल फोन और बाहरी दुनिया में ज्यादा उलझ जाते हैं। ऐसे माहौल में अनुशासन और जिम्मेदारी की कमी देखने को मिलती है।

सुनवाई के बाद सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट द्वारा पहले से लगाई गई शर्तों के अधीन आशीष सतीश मित्तल, आदित्य अविनाश सूद और अमर संतोष गायकवाड़ को जमानत दे दी। अदालत ने इस बात को भी ध्यान में रखा कि तीनों आरोपी करीब 18 महीने से जेल में बंद थे। गौरतलब है कि पुणे पोर्श हादसे में तेज रफ्तार कार की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई थी, जिसके बाद यह मामला देशभर में चर्चा का विषय बन गया था।

अब तक 32 : भागीरथपुरा में नगर निगम द्वारा सप्लाई दूषित पानी से संक्रमित एक और मौत, पैंसठ वर्षीय अनिता कुशवाह ने तोड़ा दम

इन्दौर (एजेंसी)। भागीरथपुरा में इन्दौर नगर निगम द्वारा सप्लाई पानी से एक और मौत के बाद अब यहां हुई मौतों का आंकड़ा 32 तक पहुंच गया है। भागीरथपुरा में आज अनिता कुशवाह पैंसठ साल की भी मौत हो गई उन्हें पहले 28 दिसंबर को उल्टी-दस्त की शिकायत पर भाग्यश्री हॉस्पिटल में भर्ती कराया था। वहां दो दिन इलाज के बाद राहत के चलते डिस्चार्ज करा घर ले आएं थे लेकिन कुछ ही घंटों बाद फिर हालत बिगड़ी जिस पर उन्हें 1 जनवरी को अरबिंदो हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था फिर वहां से 4 जनवरी को बॉम्बे हॉस्पिटल शिफ्ट किया गया था। इसके बाद उनकी हालत लगातार बिगड़ती गई और उनकी किडनी भी फेल हो गई, जिसके चलते डायलिसिस करते उन्हें वेंटिलेटर पर भी रखा गया और अब उन्हें कार्डियक अरेस्ट आया जिसके बाद उनकी मौत हो गई। ज्ञात हो कि अनीता कुशवाह के पहले, एकनाथ सूर्यवंशी, लक्ष्मी रजक जैन, पहलवान खूबचंद पिता गन्नूदास, राजाराम बौरासी, बद्री प्रसाद, विद्या बाई की भी भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित होने के बाद गत सप्ताह में ही मौत हो चुकी है। और अब अनीता कुशवाह की मौत के साथ वहां मौतों का आंकड़ा 32 पर पहुंच लगातार बढ़ता ही जा रहा है। जिससे इलाके में दहशत का माहौल बना हुआ है। सीएमएचओ डॉ. माधव हसानी के अनुसार बताया कि भागीरथपुरा में दूषित पानी से संक्रमित अनीता कुशवाह का शासन की ओर से हायर सेंटर पर इलाज करवाया गया, लेकिन दुर्भाग्य से उनको बचाया नहीं जा सका।

बिहार में कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि से हड़कंप, क्षेत्र में किया जा रहा सेनेटाइजेशन

-11 जनवरी को सुबह लोगों ने एक ही स्थान पर 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था

भागलपुर (एजेंसी)। बिहार के भागलपुर जिले के नवगछिया अनुमंडल परिसर में बड़ी संख्या में मृत मिले कौओं में बर्ड फ्लू वायरस की पुष्टि होने के बाद हड़कंप मच गया। जांच रिपोर्ट के सामने आते ही जिला प्रशासन अलर्ट मोड में आ गया है और प्रभावित क्षेत्र में एहतियाती कदम उठाए गए हैं। जानकारी के मुताबिक 11 जनवरी की सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकले लोगों ने एक ही स्थान पर पेड़ के नीचे 150 से ज्यादा मृत कौओं को देखा था। कई कौए तड़पती अवस्था में भी पाए गए थे, जिससे इलाके में दहशत फैल गई थी। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और सभी मृत पक्षियों को वहां हटाया गया।

रिपोर्ट के मुताबिक मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग और पशुपालन विभाग की संयुक्त टीम ने मृत कौओं के सैंपल एकत्र कर जांच के लिए पटना और मध्यप्रदेश के भोपाल की उच्च स्तरीय लैब में भेजे थे। भोपाल लैब से आई रिपोर्ट में बर्ड फ्लू संक्रमण की पुष्टि हुई है। जिला पशुपालन पदाधिकारी अंजली कुमारी ने आधिकारिक रूप से इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि रिपोर्ट मिलते ही पूरे प्रभावित क्षेत्र के चारों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में सेनेटाइजेशन अभियान शुरू किया गया है। इसके साथ ही इलाके के सभी पोल्ट्री फार्म से सैंपल लेकर जीरो सर्विलेंस के तहत जांच की जा रही है।

बता दें 11 जनवरी को जब कौओं की मौत हुई थी, उस समय अत्यधिक ठंड थी, इसलिए पहले आशंका जताई जा रही थी कि ठंड के कारण मौत हुई होगी, लेकिन जांच के बाद केंद्र सरकार की ओर से पुष्टि हुई है कि कौओं की मौत बर्ड फ्लू के कारण हुई है। फिलहाल प्रभावित इलाकों में सेनेटाइजेशन कराया जा रहा है। जिला प्रशासन का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी तरह की लापरवाही से बचने के लिए स्वास्थ्य और पशुपालन विभाग लगातार निगरानी कर रहा है। आम लोगों से भी सतर्क रहने और मृत पक्षियों को न छूने की अपील की है।

सीएम ममता पहुंचीं दिल्ली और बोलीं- बंगाल के लोगों के साथ देश की राजधानी में बहुत अत्याचार हो रहा

-एसआई समेत कई मुद्दों पर केंद्र को घेरा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राजधानी दिल्ली में केंद्र सरकार और चुनाव आयोग पर तीखा हमला बोला है। दिल्ली दौरे पर पहुंचीं ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय राजधानी में बंगाल के लोगों के साथ अत्याचार और बहुत दुर्व्यवहार किया जा रहा है। उन्होंने एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) से जुड़े मुद्दों को लेकर गंभीर सवाल उठाए और कहा कि वे इन चिंताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार से मुलाकात करेंगी।

दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि वह बंगाल भवन जा रही हैं ताकि वहां मौजूद अपने लोगों से मिल सकें और दिल्ली पुलिस के कथित अत्याचारों को खुद देख सकें। उन्होंने कहा, जब गृहमंत्री बंगाल आते हैं, तो हम उन्हें रेड कार्पेट देते हैं, लेकिन जब हम दिल्ली आते हैं तो हमें ब्लैक कार्पेट दिया जाता है। कृपया बंगाल के लोगों पर हो रहे अत्याचारों को रोकिए, जिन्होंने अपनी जान तक गंवाई है। दिल्ली के हेली रोड स्थित बंगाल भवन पहुंचने के बाद ममता बनर्जी ने एक बार फिर केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि एसआईआर से जुड़ी शिकायतें बेहद गंभीर हैं और इसी मुद्दे पर वह मुख्य चुनाव आयुक्त से मिलने जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया के चलते बंगाल के कई परिवारों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा है। सीएम ममता ने दावा किया कि दिल्ली में रह रहे बंगाल के लोगों को दिल्ली पुलिस बार-बार परेशान कर रही है और बंगाल भवन के आसपास कड़ी निगरानी रखी गई है। उन्होंने कहा, अगर इस देश में कोई नहीं लड़ेगा, तो मैं लड़ूंगी, हमारी पार्टी लड़ेगी। उन्होंने यह भी ऐलान किया कि अगले दिन मंगलवार दोपहर 3 बजे बंगाल भवन में एक अहम बैठक और मीडिया के लिए प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की जाएगी।

बजट पर राहुल गांधी के बयान पर हमलावर बीजेपी... उनसे चिदंबरम भी सहमती नहीं दिखाते

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने दावा किया कि केंद्रीय बजट में भारत के सामने मौजूद वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। लोकसभा नेता विपक्ष राहुल गांधी के बयान के बाद बीजेपी के नेता और प्रवक्ता राहुल गांधी पर हमलावर दिख रहे हैं। बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने पोस्ट में लिखा, राहुल गांधी कहते हैं कि अर्थव्यवस्था खत्म हो गई है, लेकिन आईएमएफ और दुनिया के दिग्गज कारोबारी एलन मस्क राहुल गांधी की इस बात से सहमत नहीं हैं, मानिए कि पावर का बैलेंस भारत की तरफ बदल रहा है यहां तक कि पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम भी राहुल की बातों का समर्थन नहीं करते राहुल भारत को बदनाम करने वाली ब्रिगेड का हिस्सा हैं उन्हें भारत से नफरत है वह प्रोपेगेंडा के लीडर हैं। राहुल गांधी ने पोस्ट किया, 'युवाओं के पास नौकरी नहीं है, विनिर्माण गिर रहा है, निवेशक पूंजी निकाल रहे हैं, घरेलू बचत घट रही है, किसान संकट में हैं, आसन्न वैश्विक झटके, सभी को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने दावा किया कि यह एक ऐसा बजट जिसमें चीजों को दुरुस्त करने के बजाय वास्तविक संकटों से आंख मूंद ली गई। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने रविवार को वित्त वर्ष 2026-27 के लिए बजट पेश किया। उन्होंने घोषणा की कि पूंजीगत व्यय का लक्ष्य बढ़ाकर 12.2 लाख करोड़ रुपये किया जाएगा, जो चालू वित्त वर्ष के लिए 11.2 लाख करोड़ रुपये है। उन्होंने साथ ही देश में बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए कई उपायों की घोषणा की।

मैनुअल सीवर सफाई से मौत पर 30 लाख मुआवजा अनिवार्य, सुप्रीम कोर्ट की दो टूक

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई और मैनुअल स्कैवेंजिंग (मैला ढोने) के दौरान होने वाली मौतों को लेकर एक बार फिर सख्त रुख अपनाया है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया है कि ऐसे हर मामले में अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला लागू होगा, जिसके तहत मृतक के परिजनों को 30 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाना अनिवार्य है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि जिन मामलों में मुआवजा पहले ही तय होकर भुगतान किया जा चुका है, उन्हें दोबारा नहीं खोला जाएगा।

जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस पी. बी. वराले की पीठ ने 20 जनवरी को यह अहम स्पष्टीकरण राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) की ओर से दाखिल एक आवेदन पर सुनवाई के दौरान दिया। नालसा ने कोर्ट को बताया था कि मैनुअल सीवर सफाई से मौत के मामलों में मुआवजे को लेकर अलग-अलग हाईकोर्ट ने भिन्न-भिन्न रुख अपनाया है, जिससे भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है।

दरअसल, मद्रास हाईकोर्ट ने एक मामले में मृतक के परिजनों को 10 लाख रुपये मुआवजा देने का आदेश दिया था, जबकि दिल्ली हाईकोर्ट ने समान प्रकृति के एक अन्य मामले में मुआवजा राशि बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दी थी। इसी असमानता को दूर करने के लिए नालसा ने सुप्रीम कोर्ट से स्पष्ट दिशा-निर्देश देने की मांग की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में दो टूक कहा कि अक्टूबर 2023 में दिया गया उसका फैसला सभी लंबित मामलों पर लागू होगा। गौरतलब है कि अक्टूबर 2023 में सुप्रीम कोर्ट ने मैनुअल सीवर सफाई के दौरान मौत के मामलों में मुआवजा राशि को 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 30 लाख रुपये कर दिया था। कोर्ट ने इसे मानव गरिमा और संवैधानिक अधिकारों से जुड़ा गंभीर मुद्दा बताया था।

यह आदेश एक महिला की याचिका पर आया है, जो वर्ष 2022 में सेप्टिक टैंक की सफाई के दौरान जान गंवाने वाले एक सीवर सफाईकर्मी की विधवा है। याचिकाकर्ता ने कोर्ट को बताया कि राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी आयोग ने अगस्त 2023 में मुआवजा देने का आदेश दिया था, लेकिन इसके बावजूद अब तक उन्हें कोई राशि नहीं मिली है।

फैसला नजीर बनेगा

सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में मुआवजा 30 लाख रुपये देने का निर्देश देते हुए यह भी कहा कि यह फैसला न केवल इस याचिकाकर्ता के लिए, बल्कि भविष्य में आने वाले सभी समान मामलों के लिए एक नजीर बनेगा। अदालत ने दोहराया कि मैनुअल स्कैवेंजिंग एक अमानवीय प्रथा है और इसके पूर्ण उन्मूलन की जिम्मेदारी राज्य और संबंधित एजेंसियों की है।

नवजोत कौर ने की पीएम मोदी की तारीफ, क्या सिद्धू परिवार की होगी घर वापसी?

-पंजाब की जनता भोलीभाली है, जिन्हें सरकार स्वार्थ के चलते मूर्ख बनाती रहती है

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पीएम नरेंद्र मोदी की पंजाब यात्रा के बाद कयासबाजी का दौर शुरू हो गया है कि क्या सिद्धू परिवार की घर वापसी होने जा रही है। पीएम मोदी की पंजाब यात्रा से एक दिन पहले कांग्रेस से नाता तोड़ने वालीं नवजोत कौर सिद्धू ने पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उनका स्वागत किया। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- पंजाब की जनता भोलीभाली है, जिन्हें हमारी सरकार अपने हितों और स्वार्थ के चलते मूर्ख बनाती रहती है। नवजोत कौर के इस पोस्ट से प्रदेश की सियासत गर्मा गई है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नवजोत कौर सिद्धू ने एक्स पर पोस्ट शेयर कर कहा कि जब हमारे देश के प्रमुख हमारे राज्य को कुछ देने आते हैं, तो सभी राजनीतिक चोर उनके घर वापसी कार्यक्रम में बाधा डालने के लिए एक मंच पर क्यों इकट्ठा हो जाते हैं? हमें यह स्पष्ट समझना चाहिए कि उन्होंने वह पद और शक्ति अपने परिश्रम से अर्जित की है, ताकि वे हमारे राज्य को कुछ दे सकें। आभारी बनें। पंजाब के लोग भोले-भाले हैं और स्वार्थी सरकारें अपने हितों के चलते उन्हें हमेशा धोखा देती रही हैं। उन्होंने अपने परिवारों के लिए भारी संपत्ति बना ली है। पंजाब के लिए कुछ करना है नहीं। नवजोत कौर सिद्धू ने एक अन्य पोस्ट में लिखा- मैं संभवतः उन बहुत कम लोगों में से हूं, जिन्होंने किसी भी राजनीतिक कारण से न तो बीजेपी न आप और न ही किसी अन्य पार्टी के किसी नेता से मुलाकात की है और न ही किसी पार्टी ने मुझसे संपर्क किया है। मैं केवल वाहेगुरु के प्रति उत्तरदायी हूं और किसी और के प्रति नहीं। मैं सिर्फ पंजाब के लोगों की सेवा करना चाहती हूं, जिसे मैं एक एनजीओ बनाकर कर सकती हूं और गुरु ग्रंथ साहिब की शिक्षाओं को समझकर और जीवित विकसित संतों के सान्निध्य में रहकर निस्वार्थ सेवा और आत्मा के विकास के बारे में थोड़ा सीखते हुए अपनी आत्मा के उत्कर्ष के लिए कार्य करना चाहती हूं। नवजोत कौर सिद्धू ने एक और पोस्ट में लिखा- पंजाब के मुख्यमंत्री, जब पीएम मोदी गुजरात के मुख्यमंत्री थे और केंद्र में कांग्रेस की सरकार थी, तब उन्होंने तीन बार स्पष्ट बहुमत से जीत हासिल की, क्योंकि वे गुजरात के हर नागरिक के प्रति जवाबदेह रहे। मुख्यमंत्री जी आप पंजाब के लोगों के पैसे का इस्तेमाल शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि आदि के लिए करने के बजाय अपने फायदे के लिए मुफ्त योजनाओं में नहीं कर सकते। आपने आपके खिलाफ बोलने वालों की आवाज दबा दी है। हर व्यक्ति का एक समय होता है और वाहेगुरु जी ही सभी के वास्तविक न्यायाधीश हैं।

टीवीके चीफ विजय का दावा- डीएमके को हराने की ताकत सिर्फ उनके पास

चेन्नई (एजेंसी)। अभिनेता से नेता बने तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के प्रमुख विजय ने सत्तारूढ़ डीएमके पर सीधा हमला बोलते हुए कहा है कि तमिलनाडु में डीएमके को हराने की हिम्मत और ताकत सिर्फ उनकी पार्टी में ही है। उन्होंने दावा किया कि अन्याय, बुराई और भ्रष्टाचार की ताकतों को आने वाले विधानसभा चुनावों में टीवीके के चुनाव चिन्ह 'सीटी' की आवाज से ही तितर-बितर कर दिया जाएगा।

पनायूर स्थित पार्टी मुख्यालय में पार्टी की तीसरी वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विजय ने यह बयान दिया। इस मौके पर उन्होंने अंजलाई अम्मल, वेलु नाचियार, कामराज, पेरियार और डॉ. भीमराव अंबेडकर की मूर्तियों पर पुष्पांजलि अर्पित की और पार्टी का झंडा फहराया। इसके बाद उन्होंने पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आगामी विधानसभा चुनावों की रणनीति और हर विधानसभा क्षेत्र में किए जाने वाले कार्यों पर विस्तार से चर्चा की।

विजय ने अपने भाषण में एमजीआर का जिक्र करते हुए कहा कि जिस तरह कभी एमजीआर की राजनीति में एंट्री पर सवाल उठाए गए थे, ठीक उसी तरह आज उनकी आलोचना की जा रही है। उन्होंने कहा कि जून 1977 में एमजीआर ने रेडियो पर कहा था कि उन्हें यह सोचकर दुख होता है कि जिन कुर्सियों पर कभी अन्नादुरै बैठे थे, वहां अब ऐसे लोग बैठ गए हैं। विजय ने कहा कि आज 2017 और 2021 के बाद तमिलनाडु की स्थिति देखकर लोगों की आंखों में आंसू हैं, क्योंकि कामराज, अन्ना और एमजीआर जैसे नेताओं की जगह अब ऐसे लोग सत्ता में हैं, जो जनता की उम्मीदों पर खरे नहीं उतर रहे।

टीवीके प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी लोगों के आंसू पोंछने और उन्हें न्याय दिलाने के लिए बनी है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष उनकी राजनीति में एंट्री को लेकर सवाल उठा रहा है और कह रहा है कि उनके पास अनुभव नहीं है। विजय ने कहा कि जब एमजीआर ने पार्टी बनाई थी, तब भी यही कहा गया था कि एक अभिनेता राजनीति में आ गया है, लेकिन तमिलनाडु की जनता ने चुनाव में उन्हें जिताकर जवाब दिया। तीन-तरफा और चार-तरफा मुकाबले पर बोलते हुए विजय ने कहा कि एक तरफ उनकी पार्टी एक बड़ी जनशक्ति के रूप में खड़ी है, दूसरी तरफ डीएमके के नेतृत्व वाला गठबंधन है और तीसरी तरफ भाजपा तथा अन्य दल हैं। उन्होंने दावा किया कि इस समीकरण में केवल टीवीके ही डीएमके को हराने की क्षमता रखती है। विपक्ष पर तंज कसते हुए विजय ने कहा कि वे बार-बार कहते हैं कि ÷विजय घर से बाहर आओ÷, लेकिन सच्चाई यह है कि विजय हर घर में है। उन्होंने कहा कि मतदान के दिन हर घर का ÷विजय और विजी÷ सुबह-सुबह पोलिंग बूथ पर पहुंचेगा, तब सबको सच्चाई समझ में आ जाएगी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

हमारे बीच पांच हजार वर्षों का व्यापारिक रिश्ता, भारत-अरब संबंध पर बोले अव्वाद

अबुधावी, एजेंसी। भारत-अरब विदेश मंत्रियों की बैठक के बीच विदेश मामलों के विशेषज्ञ वायल अव्वाद ने दोनों क्षेत्रों के बीच गहरे ऐतिहासिक और कूटनीतिक संबंधों पर प्रकाश डाला है। इस वार्ता को भारत और अरब जगत के बीच एक नए युग की शुरुआत माना जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत और अरब देशों के संबंध मात्र आधुनिक कूटनीति तक सीमित नहीं हैं, बल्कि हमारे बीच पांच हजार वर्षों का व्यापारिक संबंध है। अव्वाद ने लंबे समय से चले आ रहे संबंधों के संदर्भ को स्पष्ट करते हुए अरब देशों के भौगोलिक विस्तार और भारत के साथ उनके साझा हितों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि अरब जगत में कुल 22 देश शामिल हैं (11 उत्तरी अफ्रीका में और 11 पश्चिम एशिया व खाड़ी क्षेत्र में)। प्राचीन काल से ही दोनों सभ्यताओं के बीच व्यापार, अर्थव्यवस्था और ज्ञान का निरंतर आदान-प्रदान होता रहा है। वर्तमान विदेश मंत्रियों की बैठक 10 साल के अंतराल के बाद हो रही है, जो संबंधों को पुन: प्रगाढ़ करने का एक बड़ा संकेत है। अव्वाद के अनुसार, 2014 के बाद से भारत-अरब संबंधों में अभूतपूर्व सुधार हुआ है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को कई अरब देशों ने अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजा है। शीर्ष नेतृत्व के बीच बढ़ता विश्वास भारत को अरब जगत के लिए एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है।

जज ने दिया पांच साल के बच्चे को पिता के साथ रिहा करने का आदेश

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिका में इमिग्रेशन एजेंट्स ने कुछ दिन पहले एड्रियन कोनेजो एरियस नाम के शख्स को पकड़ने के लिए उसके पांच साल के बच्चे का इस्तेमाल किया था। एजेंट्स ने उस पांच साल के बच्चे को मोहरे के तौर पर इस्तेमाल किया। इस मामले में अब फेडरल जज ने एक्शन लिया है। फेडरल जज ने इमिग्रेशन एजेंट्स को आदेश दिया कि उस पांच साल के बच्चे लियाम कोनेजो रामोस को रिहा कर दिया जाए। इसके साथ ही उस बच्चे के पिता एड्रियन कोनेजो एरियस को भी छोड़ा जाए। अमेरिका की पूर्व उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने भी इस पांच साल के बच्चे की गिरफ्तारी का मामला उठाया था। इस बच्चे को मिनियापोलिस के एक शहर से इमिग्रेशन अधिकारियों द्वारा हिरासत में लिया गया था। अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज फ्रेड बियरी ने शनिवार, 31 जनवरी को अपने आदेश में कहा, यह मामला सरकार की रोजाना डिपोर्टेशन कोटा पूरा करने की गलत सोची-समझी और खराब तरीके से लागू की गई कोशिश से शुरू हुआ है, भले ही इसके लिए बच्चों को ट्रॉमा से गुजरना पड़े। इक्वाडोर में रहने वाले यह पिता और बेटे शरणार्थी के तौर पर कानूनी रूप से अमेरिका में रह रहे थे। इनके वकील मार्क प्रोकोश ने इनकी गिरफ्तारी के बाद रॉयटर्स को बताया था कि इन दोनों को टेक्सास के डिले में एक फैमिली डिटेंशन सेंटर में भेजा गया है। कमला हैरिस के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर किए पोस्ट के बाद अमेरिका के गृह सुरक्षा विभाग की सहायक सचिव ट्रिशिया मैकलॉघलिन ने कहा, आइईसी ने बच्चे को मोहरा नहीं बनाया। मैकलॉघलिन ने आगे बताया, 20 जनवरी को आइईसी का ऑपरेशन बच्चे के पिता को गिरफ्तार करने के उद्देश्य से था। पिता ने बच्चे को छोड़ दिया और आइईसी ने बच्चे की मां से कई बार उसकी कस्टडी लेने के लिए कहा था, लेकिन उसने मना कर दिया।

इस्तांबुल पहुंचे ईरानी विदेश मंत्री अराघची, शुरू की गुप्त रणनीतिक बातचीत

तेहरान, एजेंसी। मध्य पूर्व में बढ़ते युद्ध के खतरे और अमेरिका की कड़ी चेतावनियों के बीच ईरान और तुर्किये ने कूटनीतिक गतिविधियां तेज कर दी हैं। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची गुरुवार को इस्तांबुल पहुंचे, जहां वे तुर्किये के शीर्ष नेतृत्व के साथ अहम और संवेदनशील बातचीत करने वाले हैं। इस्तांबुल पहुंचने के बाद अराघची ने कहा कि क्षेत्र की स्थिति बेहद नाजुक है, ऐसे में ईरान और तुर्किये के बीच सामान्य से कहीं अधिक संवाद हो रहा है। उन्होंने संकेत दिया कि अमेरिका और उसके सहयोगियों द्वारा आगे बढ़ाए जा रहे लक्ष्यों ने दोनों देशों को आपसी समन्वय बनाए रखने के लिए मजबूर किया है। तुर्किये के विदेश मंत्री हाकान फिदान पहले ही अराघची से मुलाकात कर चुके हैं। यह बातचीत ऐसे समय हो रही है, जब अंकारा खुद को अमेरिका और ईरान के बीच संभावित सैन्य टकराव रोकने वाले मध्यस्थ के रूप में पेश कर रहा है। तुर्किये लंबे समय से क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने की बात करता रहा है।यह दौरा अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की उन धमकियों के बाद हो रहा है, जिनमें उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई और आर्माडा (युद्धपोतों का बेड़ा) भेजने की बात कही थी। अमेरिका पहले ही फारस की खाड़ी में अपने युद्धपोत और लड़ाकू विमान तैनात कर चुका है। दौरे के दौरान अराघची की तुर्की राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन से भी मुलाकात प्रस्तावित है। माना जा रहा है कि इस बैठक में ईरान पर अमेरिकी दबाव, इज़राइल की भूमिका, गाजा युद्ध और क्षेत्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर गहन चर्चा होगी।

राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा- इन्होंने भड़काई विरोध की आग

तेहरान , एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने देश में हाल ही में हुए हिंसक प्रदर्शनों के लिए सीधे तौर पर अमेरिका, इजराइल और यूरोपीय देशों को जिम्मेदार ठहराया है।

शनिवार को सरकारी टेलीविजन पर प्रसारित एक संबोधन में पेजेश्कियान ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप, बेंजामिन नेतन्याहू और यूरोपीय नेताओं ने ईरान की आर्थिक समस्याओं का फायदा उठाकर जनता को भड़काने और देश को तोड़ने का प्रयास किया है। दिसंबर के अंत में बढ़ती महंगाई और आर्थिक संकट के कारण शुरू हुए ये प्रदर्शन अब शांत हो गए हैं, लेकिन इनका प्रभाव काफी गहरा रहा है। राष्ट्रपति के अनुसार, विदेशी शक्तियों ने निर्दोष लोगों को इस आंदोलन में खींचने के लिए संसाधनों की आपूर्ति की और समाज को विभाजित करने की कोशिश की।

मौतों के विरोधाभासी आंकड़े : दो सप्ताह तक चले प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा में हताहतों की संख्या को लेकर अलग-अलग दावे सामने आए हैं। अमेरिका स्थित मानवाधिकार संगठन एचआरएएनए का दावा है कि सुरक्षा बलों की कार्रवाई में कम से कम 6,563 लोग मारे गए हैं, जिनमें 6,170 प्रदर्शनकारी और 214 सुरक्षाकर्मी शामिल हैं

इसके विपरीत, ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने आंकड़ों को कम बताते हुए कहा कि कुल 3,100 लोग मारे गए हैं, जिनमें 2,000 सुरक्षा बल के जवान शामिल हैं। पेजेश्कियान ने स्पष्ट किया कि यह केवल एक सामाजिक विरोध नहीं था, बल्कि देश में घृणा और संघर्ष पैदा करने की एक सुनियोजित विदेशी साजिश थी। सैन्य तनाव व कूटनीतिक प्रयास वर्तमान में ईरान और अमेरिका के बीच तनाव चरम पर है। ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों का समर्थन करते हुए सैन्य कार्रवाई के संकेत दिए हैं, हालांकि अभी कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस बीच, इजराइल के ईलात बंदरगाह पर अमेरिकी नौसेना के एक विध्वंसक जहाज के पहुंचने की खबर ने युद्ध की आशंकाओं को और बल दिया है। अमेरिका की मांग है कि बातचीत शुरू करने के लिए ईरान अपने मिसाइल कार्यक्रम पर रोक लगाए, जिसे ईरान ने सिरे से खारिज कर दिया है। विदेश मंत्री अराघची ने स्पष्ट किया कि मिसाइलों पर कोई समझौता नहीं होगा और शासन परिवर्तन की बात करना एक कल्पना मात्र है। तुर्की, सऊदी अरब और यूएई जैसे क्षेत्रीय देश स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए कूटनीतिक प्रयासों में जुटे हैं। ईरान ने कभी परमाणु हथियार हासिल करने की कोशिश नहीं की- अराघची ईरान के विदेश मंत्री सैयद अब्बास अराघची ने शनिवार को तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगान और विदेश मंत्री हाकान फिदान से मुलाकात कर क्षेत्रीय शांति पर चर्चा की। एक्स पोस्ट में अराघची ने कहा, हमारी बातचीत में, मैंने दोहराया कि ईरान ने कभी भी परमाणु हथियार बनाने की कोशिश नहीं की है और वह एक निष्पक्ष और न्यायसंगत परमाणु समझौते के लिए तैयार है जो हमारे लोगों के वैध हितों को पूरा करता हो। इसमें परमाणु हथियार निषेध सुनिश्चित करना और प्रतिबंधों को हटाने की गारंटी देना शामिल है।

स्विस बैंक में अकाउंट, ब्रिटिश लग्जरी मेंशन... खामेनेई के बेटे ने मिडिल ईस्ट से यूरोप तक फैलाया साम्राज्य

तेहरान, एजेंसी। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई के बच्चों में दूसरे नंबर का सबसे बड़ा बेटा मोज्तबा खामेनेई एक आलीशान लाइफस्टाइल जीता है। इसके पास करोड़ों की प्रॉपर्टी है। मोज्तबा खामेनेई के पास केवल ईरान में ही नहीं, बल्कि यूरोप से लेकर मिडिल ईस्ट तक अयातुल्लाह खामेनेई के बेटे का साम्राज्य फैला है। नॉर्थ लंदन की एक सड़क, जिसे बिलियनेयर्स रो के नाम से जाना जाता है, इसकी ऊंची झाड़ियों और काले गेटों के पीछे कई खाली हवेली हैं। यहां के लग्जरी घरों में तेहरान से दुबई और फ्रैंकफर्ट तक फैला नेटवर्क रहता है। लंदन में इस प्रॉपर्टी का असली मालिकाना हक शेल कंपनियों के जरिए मोज्तबा खामेनेई तक पहुंचता है, जो कि मिडिल ईस्ट के सबसे ताकतवर शख्स में से एक है। 56 साल के मोज्तबा को अयातुल्लाह खामेनेई के उत्तराधिकारी के रूप में माना जा रहा है।पश्चिमी खुफिया एजेंसी के मुताबिक, इनकी वित्तीय ताकत में पर्शियन गल्फ शिपिंग से लेकर स्विस बैंक खातों और 100 मिलियन पाउंड (138 मिलियन डॉलर) से ज्यादा की ब्रिटिश प्रॉपर्टी तक सब कुछ शामिल है।

इजरायल ने फिर किया गाजा पर हमले, छह बच्चों सहित 30 फलस्तीनी मारे गए

यरूसलम, एजेंसी। फलस्तीनी स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, इजरायल ने शनिवार को गाजा में पिछले कई हफ्तों में सबसे भीषण हवाई हमले किए, जिनमें पुलिस स्टेशन, घरों और तंबुओं को निशाना बनाया गया। हमलों में छह बच्चों और तीन महिलाओं सहित 30 लोग मारे गए। इजरायली सेना ने कहा कि उसने हमास और उसके सहयोगी इस्लामिक जिहाद से संबंधित कमांडरों और ठिकानों को निशाना बनाया। यह कार्रवाई गाजा में दो साल के युद्ध के बाद पिछले अक्टूबर में अमेरिका की मध्यस्थता से हुए युद्धविराम के उल्लंघन के जवाब में की गई।

गाजा के लगभग आधे हिस्से पर नियंत्रण रखने वाले हमास ने कहा कि इजरायल ने युद्धविराम का उल्लंघन किया है। उसने यह नहीं बताया कि शनिवार के हमलों में उसके किसी सदस्य या ठिकाने को निशाना बनाया गया या नहीं। इजरायल ने ये हमले गाजा पट्टी और मिस्त्र के बीच रफा सीमा चौकी के फिर से खुलने से एक दिन पहले किए। यह चौकी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की उस योजना के तहत खोली जानी है, जिसके तहत गाजा के अधिकांश हिस्से को तबाह कर देने वाले युद्ध को समाप्त किया जाएगा। कई जगहों को बनाया निशाना स्वास्थ्य अधिकारियों के अनुसार, गाजा शहर के पश्चिम में स्थित शेख रादवान पुलिस स्टेशन पर इजरायली विमानों ने बमबारी की, जिसमें 10 अधिकारी और बंदी मारे गए। हमास द्वारा संचालित पुलिस ने बताया कि बचाव दल घटनास्थल पर और हताहतों की तलाश कर रहे हैं। अन्य हवाई हमलों में उत्तरी-मध्य गाजा में कम से कम दो घर और दक्षिण में खान यूनिस में विस्थापित फलस्तीनियों को आश्रय देने वाले एक शिविर को निशाना बनाया गया।

ब्रिटिश रॉयल फैमिली का नाम भी एपस्टीन फाइल्स आया, पूर्व प्रिंस एंड्रयू की आपत्तिजनक तस्वीरें वायरल

वाशिंगटन/लदन , एजेंसी। ब्रिटिश रॉयल फैमिली के पूर्व प्रिंस एंड्रयू को लेकर एप्सटीन फाइल्स में नया खुलासा हुआ है। नये खुलासे में उन्हें हाथ और पैर के बल एक महिला के ऊपर लेटे देखा जा सकता है। ये तस्वीरें अमेरिकी न्याय विभाग ने शुक्रवार को जारी कीं, जिससे ब्रिटिश रॉयल फैमिली में हड़कंप मच गया है। ये तस्वीरें पूर्व प्रिंस एंड्र्यू पर राजनीतिक दबाव बढ़ाने वाली साबित हो रही है। ब्रिटिश प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने उन्हें अमेरिकी कांग्रेस के सामने गवाही देने की मांग की है। स्टार्मर ने जापान दौरे पर कहा कि एपस्टीन के पीड़ितों को न्याय मिलना सबसे जरूरी है। एक अनडेटेड तस्वीर में एंड्र्यू माउंटबेटन-विंडसर कैमरे की तरफ देखते हुए हाथ और पैर के बाल झुके हुए दिख रहे हैं। नीचे एक महिला लेटी हुई है, लेकिन गोपनीयता के वजह से उसका चेहरा धुंधला कर दिया गया है। दूसरी तस्वीर में एंड्र्यू का हाथ उसी महिला के पेट पर रखा हुआ है। बैकग्राउंड में एक अज्ञात व्यक्ति टेबल पर पैर रखे बैठा है। इन तस्वीरों का कोई कैप्शन या संदर्भ नहीं दिया गया, इसलिए ये कब और कहां ली गईं, ये साफ नहीं है।

2010 की एक ईमेल चेन भी शामिल : एपस्टीन दस्तावेजों में 2010 की एक ईमेल चेन भी शामिल है, जिसमें एपस्टीन ने एंड्र्यू को लंदन में एक दोस्त से मिलने का न्योता दिया। एंड्र्यू ने जवाब में कहा कि वो मिलने के लिए उत्सुक हैं और उसका संपर्क दें। एपस्टीन ने उस महिला को 26 साल की रूसी बताते हुए लिखा कि वो स्मार्ट, सुंदर और भरोसेमंद है। ये ईमेल एपस्टीन के नाबालिग से सेक्स सॉलिसिटेशन के दोषी ठहराए जाने के दो साल बाद भेजे गए थे। एक महीने बाद की ईमेल्स में दोनों लंदन में मिलने की योजना बनाते दिखते हैं। एंड्र्यू ने बकिंघम पैलेस में डिनर का सुझाव दिया, जहां बहुत प्राइवेसी होगी। एपस्टीन ने कहा कि उन्हें निजी समय की दरकार है।

ईरान नहीं अब वेनेजुएला से तेल खरीदेगा भारत, डोनल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने तेल खरीदने को लेकर फिर से एक बार नया बयान दिया है। उन्होंने कहा है कि यदि चीन वेनेजुएला का तेल खरीदना चाहता है तो उसका स्वागत है। भारत ने पहले ही तेल खरीदने की डील कर ली है। एयर फोर्स वन में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, चीन का स्वागत है, वह आए और तेल पर एक शानदार डील करे। हमने पहले ही एक डील कर ली है। भारत आ रहा है और वे ईरान से खरीदने के बजाय वेनेजुएला से तेल खरीदेंगे। तो, हमने पहले ही डील का कॉन्सेप्ट बना लिया है। भारत सरकार ने अभी तक ट्रंप की टिप्पणियों पर कोई जवाब नहीं दिया है। इससे पहले, ट्रंप ने कहा था कि वेनेजुएला ने अमेरिका को 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के 50 मिलियन बैरल तेल की पेशकश की है और उन्होंने इस डील पर सहमति दे दी है।

ट्रंप ने पहले क्या किए हैं दावे : सदर्न बुलेवार्ड का नाम बदलकर डोनाल्ड ट्रंप बुलेवार्ड रखने पर प्रेस को संबोधित करते हुए ट्रंप ने कहा, हम नए राष्ट्रपति के साथ डील कर रहे हैं। हम देश चलाने वाले बहुत से लोगों के साथ डील कर रहे हैं। उन्होंने कहा है कि हमारे पास 50 मिलियन बैरल तेल है और हमें इसे तुरंत प्रोसेस करवाना है क्योंकि हमारे पास जगह नहीं है। क्या आप इसे लेंगे? मैंने कहा, हम इसे लेंगे। यह 5.2 बिलियन अमेरिकी डॉलर के बराबर है। ट्रंप ने वेनेजुएला की अंतरिम सरकार के साथ अच्छे संबंधों की भी तारीफ की है। उन्होंने कहा, हमारे उन लोगों के साथ बहुत अच्छे संबंध रहे हैं जो अभी अंतरिम राष्ट्रपति हैं और बाकी सभी के साथ भी। बहुत सारा दबाव कम हो गया है।

रेवन्यू अमेरिकी सरकार के अकाउंट में रखा जा रहा है : मादुरो को पकड़े जाने के बाद, ट्रंप ने यह साफ कर दिया था कि वाशिंगटन ट्रांजिशन के दौरान वेनेजुएला को चलाएगा और उसे उनके देश में तेल और दूसरी चीज़ों तक पूरी पहुंच चाहिए। ट्रंप की टिप्पणियों से न्यूयॉर्क स्थित न्यूज़ आउटलेट सेमाफोर की हालिया रिपोर्ट की भी पुष्टि होती है कि अमेरिका ने 500 मिलियन अमेरिकी डॉलर मूल्य के वेनेजुएला के तेल की पहली बिक्री की है। सेमाफोर रिपोर्ट के अनुसार, प्रशासन के एक अधिकारी के मुताबिक,आदेश में बताए अनुसार, तेल बिक्री से होने वाला रेवेन्यू फिलहाल अमेरिकी सरकार द्वारा नियंत्रित बैंक अकाउंट्स में रखा जा रहा है। दूसरे वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के अनुसार, मेन अकाउंट कतर में है।

बलूच विद्रोहियों का 48 पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर एक साथ हमला, 84 सैनिक मारे गए

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने शनिवार को आपरेशन हेरोफ का दूसरा चरण शुरू करने का एलान किया। इसके तहत विद्रोहियों ने 48 जगहों पर एक साथ पाकिस्तानी सैन्य ठिकानों पर हमले किए। पाकिस्तान की सेना और पुलिस बीएलए के निशाने पर है।

बीएलए ने 84 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने का दावा किया है। बीएलए के प्रवक्ता जियांद बलूच ने इसे कब्जा करने वाली ताकतों के खिलाफ निर्णायक प्रतिरोध करार दिया है। बीएलए ने आपरेशन हेरोफ का पहला चरण अगस्त 2024 के अंत में शुरू किया था। इसका उद्देश्य बलूचिस्तान में प्रमुख राजमार्गों और सेना शिविरों पर हमला करना था। दूसरी तरफ, बलूचिस्तान सरकार ने 70 विद्रोहियों को मारने का दावा किया है। सरकार का कहना है शुक्रवार देर रात से शनिवार दोपहर तक विद्रोहियों ने 12 स्थानों पर सुरक्षा बलों, सरकारी एजेंसियों और नागरिकों पर हमले किए। इन अभियानों में 10 सुरक्षाकर्मियों की जान चली गई। विद्रोहियों ने यह अभियान पाकिस्तानी सुरक्षा बलों द्वारा पंजगुर और हरनाई में चलाए गए आपरेशन में 41 लड़ाकों की हत्या के बाद शुरू किया है।

बलूचिस्तान सरकार के प्रवक्ता शाहिद रिंद ने बताया कि ये हमले क्वेटा, ग्वादर, मकरम, हुब, चमन और नसीराबाद सहित विभिन्न स्थानों पर किए गए। इन हमलों में पुलिस, सीमा सुरक्षा बल और नागरिकों को निशाना बनाया गया।

अभियान अभी भी जारी : बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगती ने एक पोस्ट में कहा कि शुक्रवार रात को शुरू हुआ अभियान शनिवार शाम को भी जारी है। एक संघीय मंत्री ने कहा कि बीएलए के लड़ाकों ने ग्वादर में नागरिकों की हत्या की। सूचना मंत्री अताउल्ला तरार ने जियो न्यूज को बताया कि जब विद्रोहियों ने हमला किया, तो सुरक्षा बल सतर्क थे। उन्होंने इन हमलों को विफल कर दिया।

अमेरिका में बैंक पर ताला- जमाकर्ताओं के पैसे का क्या हुआ, कौन संभालेगा जिम्मेदारी?

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में बैंकिंग सेक्टर से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। इलिनोइस डिपार्टमेंट ऑफ़ फाइनेंशियल एंड प्रोफेशनल रेगुलेशन ने मेट्रोपॉलिटन कैपिटल बैंक एंड ट्रस्ट को बंद कर दिया है। इसके साथ ही फेडरल डिपॉजिट इंश्योरेंस कॉर्पोरेशन को इस बैंक का रिसीवर नियुक्त किया गया है। एफडीआइसी ने फर्स्ट् इंडिपेंडेंस बैंक के साथ खरीद और अधिग्रहण समझौता किया है, जिसके तहत मेट्रोपॉलिटन कैपिटल बैंक एंड ट्रस्ट की लगभग सभी जमा राशियों को अपने नियंत्रण में लिया जाएगा।

मेट्रोपॉलिटन कैपिटल बैंक एंड ट्रस्ट का इकलौता कार्यालय सोमवार, 2 फरवरी 2026 को अपने सामान्य कामकाजी समय में फर्स्ट् इंडिपेंडेंस बैंक की शाखा के रूप में दोबारा खुलेगा। बैंक के मौजूदा जमाकर्ता अपने आप फर्स्ट् इंडिपेंडेंस बैंक के ग्राहक बन जाएंगे। जिन जमा राशियों को फर्स्ट् इंडिपेंडेंस बैंक ने अपने पास लिया है, वे पहले की तरह एफडीआइसी बीमा के दायरे में रहेंगी, इसलिए ग्राहकों को घबराने या अपने बैंकिंग संबंध बदलने की जरूरत नहीं होगी। एफडीआइसी ने साफ किया है कि ग्राहकों को उनकी जमा राशि तक तुरंत पहुंच मिलेगी। सप्ताहांत के दौरान भी ग्राहक चेक लिखकर, ञरू या डेबिट कार्ड के जरिए अपने पैसे निकाल सकेंगे। बैंक पर जारी किए गए सभी चेक सामान्य रूप से प्रोसेस होते रहेंगे। वहीं, जिन ग्राहकों ने बैंक से लोन लिया है, उन्हें पहले की तरह अपनी किश्तों का भुगतान जारी रखना होगा। अगर किसी ग्राहक को कोई सवाल या परेशानी है, तो वे एफडीआइसी के टोल-फ्री नंबर 1-866-314-1744 पर संपर्क कर सकते हैं या एफडीआइसी की आधिकारिक वेबसाइट से जानकारी ले सकते हैं। यह हेल्पलाइन अलग-अलग दिनों में तय समय पर उपलब्ध रहेगी, ताकि ग्राहकों को हर संभव सहायता मिल सके। आंकड़ों के मुताबिक, 30 सितंबर 2025 तक मेट्रोपॉलिटन कैपिटल बैंक एंड ट्रस्ट के पास कुल 261.1 मिलियन डॉलर की संपत्ति और 212.1 मिलियन डॉलर की जमा राशि थी। फर्स्ट् इंडिपेंडेंस बैंक ने बैंक बंद होने के समय लगभग सभी जमा राशियों को लेने पर सहमति जताई है और वह विफल बैंक की करीब 251 मिलियन डॉलर की संपत्ति भी खरीदेगा। शेष संपत्तियों को एफडीआइसी अपने पास रखेगा और बाद में उनका निपटान किया जाएगा।

लगातार दो धमाकों से दहला ईरान, 5 लोगों की मौत; इजरायल बोला- हमारा कोई हाथ नहीं

हरान, एजेंसी। ईरान में शनिवार को दो लग-अलग धमाकों में कम से कम पांच गग मारे गए और 14 अन्य घायल हो गए। रकारी तेहरान टाइम्स ने शहर के फायर डपार्टमेंट के प्रमुख के हवाले से बताया कि क्षिण-पश्चिमी शहर अहवाज में एक गैस मांके से एक रिहायशी इमारत ढह गई, जसमें चार लोगों की मौत हो गई। एक थानीय अधिकारी ने न्यूज एजेंसियों को ताया कि एक अलग घटना में दक्षिणी दरगाह शहर बंदर अब्बास में एक धमाके एक व्यक्ति की मौत हो गई और 14 अन्य ायल हो गए। दो इजरायली अधिकारियों के नुसार, इजराइल ने इन धमाकों में किसी ी तरह की संलिप्तता से इनकार किया है।

धमाके की वजह की जांच जारी : रकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने र्मोजगान प्रांत में संकट प्रबंधन के ायरेक्टर जनरल मेहरदाद हसनजादेह के वाले से बताया कि धमाके की वजह की जांच की जा रही है। उन्होंने कहा, इस घटना में घायल हुए लोगों को अस्पताल ले जाया जा रहा है। हालांकि उन्होंने किसी की मौत की कोई जानकारी नहीं दी। सरकारी टीवी पर दिखाई गई तस्वीरों में इमारत का बाहरी हिस्सा उड़ा हुआ दिख रहा था, जिससे अंदर के कुछ हिस्से दिख रहे थे और चारों ओर मलबा बिखरा हुआ था। दूसरे ईरानी मीडिया ने भी इसी तरह की रिपोर्ट दीं, लेकिन उसने भी कारण के बारे में कोई डिटेल नहीं दी। अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तसनीम ने कहा कि इंटरनेट मीडिया पर आ रही वे खबरें जिनमें विस्फोट में रिवोल्यूशनरी गार्ड के नौसेना कमांडर को निशाना बनाए जाने का आरोप था, पूरी तरह से झूठी हैं। वहीं, तेहरान टाइम्स के अनुसार इराकी सीमा के पास अहवाज शहर में गैस विस्फोट में चार लोगों की मौत हो गई। इस बारे में तत्काल कोई और जानकारी उपलब्ध नहीं है। पेंटागन ने इस संबंध में टिप्पणी के अनुरोध पर तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

ईरान ने अमेरिका को दी चेतावनी : ईरान के सेना प्रमुख अमीर हातामी ने शनिवार को चेतावनी दी कि अगर अमेरिका कोई गलती करता है, तो इससे निश्चित रूप से उसकी अपनी सुरक्षा, इजरायल और पूरे पश्चिम एशिया की सुरक्षा खतरे में पड़ जाएगी। उन्होंने कहा, आज, इस्लामिक रिपब्लिक आफ ईरान के सशस्त्र बल पूरी तरह से रक्षात्मक और सैन्य रूप से तैयार हैं और क्षेत्र में दुश्मन की गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रहे हैं। हम पूरी तरह से तैयार हैं। हातामी ने इस बात पर जोर दिया कि यदि दूसरा पक्ष समस्या का समाधान करने को तैयार है, तो उसे ईरानी राष्ट्र के साथ सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए। ट्रंप की धमकी के बीच हुआ धमाका राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की तरफ से आक्रामक बयानबाजी के बाद अमेरिका द्वारा इस क्षेत्र में एक एयरक्राफ्ट कैरियर ग्रुप तैनात किए जाने के बाद ईरान में यह धमाका एक तनावपूर्ण समय में हुआ।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अब ग्रामीण इलाकों में अपना 'मॉल' चलाएंगी महिलाएं

● लखपति दीदी के बाद मोदी सरकार ने चला एक और दांव ● शी मार्ट्स से ग्रामीण महिलाओं की सरकार बदलेगी तकदीर

नई दिल्ली (एजेंसी)। अब महिला कल्याण सिर्फ 'कर्ज आधारित आजीविका' तक सीमित नहीं रहेगा। सरकार का लक्ष्य महिलाओं को बराबर की भागीदार और अपने कारोबार की मालिक बनाना है। इस दिशा में शी मार्ट्स (सेल्फ हेल्प आंत्रप्रेन्योर मार्ट्स) की घोषणा की गई है। ये ऐसे रिटेल आउटलेट्स होंगे, जिन्हें स्वयं सहायता समूह से जुड़ी महिलाएं चलाएंगी। सरकार इन्हें ग्रामीण इलाकों और छोटे कस्बों में स्थापित करेगी। यहां महिलाएं अपने उत्पाद सीधे ग्राहकों को बेच सकेंगी। इसका मुख्य लक्ष्य महिलाओं को बिचौलियों के चंगुल से बाहर निकालना है। ताकि, उत्पादों का सीधा और ज्यादा मुनाफा महिलाओं तक पहुंचे। मार्ट्स के जरिए महिलाओं के स्थानीय उत्पादों को 'ब्रांड' के रूप में पहचान दिलाएगी। उन्हें बाजार ही नहीं, बल्कि आधुनिक वित्तीय उपकरण और ब्रांडिंग सपोर्ट भी दिया जाएगा।

महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बढ़ा बजट

15.63 फीसदी बढ़ा है महिला एवं बाल विकास मंत्रालय का बजट। इस बार 28183.06 करोड़, पिछले साल 24373.91 करोड़ था। 'शी मार्ट्स' का विचार लखपति दीदी की सफलता से मिला। इस पहल ने काम शुरू करना सिखाया। शी मार्ट्स उस काम को बिजनेस में बदलेगा। 3 करोड़ महिलाएं सालाना 1 लाख रुपए से ज्यादा कमाने लगी हैं। अब लक्ष्य 5 करोड़ लखपति दीदी बनाने का है। हालांकि शी मार्ट्स के लिए बजट बताया नहीं गया।

क्लासरूम से लैब तक का सफर आसान होगा

उच्च शिक्षा-करियर के बीच बड़ी बाधा 'आवास व सुरक्षा' को 10,000 करोड़ रुपए के निवेश से दूर होगी। देश के हर जिले में एक गर्ल्स हॉस्टल बनाया जाएगा। छात्राओं को पढ़ाई छोड़नी पड़ती थी। वे अब पूरा समय दे सकेंगी। कोर्स में महिलाओं की भागीदारी 43 फीसदी है, जो दुनिया में सबसे ज्यादा है। ड्रोन फ्लाइंग सिखाने के साथ उनके रखरखाव व सुधार की भी ट्रेनिंग दी जाएगी। इससे कृषि क्षेत्र में कीटनाशकों के छिड़काव के लिए नई फौज तैयार होगी।

पटना में यूजीसी नियमों के समर्थन में उतरे हजारों छात्र

● पुलिस से हुआ टकराव, झड़प के बाद 2 नेता हिरासत में

पटना (एजेंसी)। यूजीसी (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग) के नए नियमों पर सुप्रीम कोर्ट द्वारा रोक लगाए जाने के बाद सियासत चरम पर है। बिहार की राजधानी पटना में यूजीसी नियमों के समर्थन में सोमवार को हजारों की संख्या में छात्र सड़क पर उतर गए। उन्होंने उच्च शिक्षण संस्थानों में यूजीसी के नए समानता नियमों से रोक हटाने की मांग करते हुए प्रदर्शन किया। इस दौरान पटना पुलिस के साथ प्रदर्शनकारियों की झड़प हो गई। पुलिस ने दो छात्र नेताओं को हिरासत में लिया है। हिरासत में लिए गए छात्र नेताओं में अमर आजाद और मनीष यादव शामिल हैं। पुलिस दोनों को पकड़कर कोतवाली थाने ले गई। दरअसल, यूजीसी नियमों के समर्थन में छात्र संगठनों की ओर से सोमवार को पटना में मार्च निकाला गया। पटना कॉलेज से गांधी मैदान तक मार्च कर रहे स्टूडेंट्स को पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग कर रोक दिया। प्रदर्शनकारी बैरिकेडिंग को हटाकर आगे बढ़ने की कोशिश करने लगे। इस दौरान गहमागहमी की स्थिति बन गई। मौके पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। वाटर कैनन की गाड़ियां भी बुलाई गई हैं। प्रदर्शनकारी भी पीछे हटने को तैयार नहीं हैं। पटना यूनिवर्सिटी के विभिन्न छात्रावासों में रहने वाले हजारों छात्र इस मार्च में शामिल हुए। बता दें कि यूजीसी ने पिछले महीने यूनिवर्सिटी एवं कॉलेजों में एससी, एसटी और ओबीसी छात्र-छात्राओं के साथ भेदभाव को रोकने के लिए नए नियमों को लागू किया था। सवर्ण वर्ग के छात्र-छात्राओं ने इस पर आपत्ति जताई और वापस लेने की मांग की गई। बाद में यह मामला सुप्रीम कोर्ट गया तो शीर्ष अदालत ने इन नियमों पर अंतरिम रोक लगा दी। यूजीसी नियमों का जहां सवर्ण वर्ग के लोग विरोध कर रहे हैं, वहीं दलित एवं पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राएं एवं संगठन इसके समर्थन में हैं। फिलहाल अदालत ने यूजीसी और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर इस पर स्थिति स्पष्ट करने को कहा है।

मणिपुर में खत्म हो रहा है राष्ट्रपति शासन

● दिल्ली पहुंच गए एनडीए विधायक, जल्द बन सकती है नई सरकार

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के 20 से अधिक भाजपा विधायक पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व के साथ बैठक में शामिल होने के लिए दिल्ली पहुंच गए हैं। इन विधायकों के साथ पार्टी की प्रदेश इकाई की अध्यक्ष भी हैं। बीजेपी की मणिपुर इकाई की अध्यक्ष अधिकारीमयूम शारदा देवी ने इंफाल हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सभी विधायकों को बुलाया

गया है। हमें उम्मीद और विश्वास है कि जनता की सरकार बनेगी। पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कहा,चूंकि राजग सहयोगी दलों के सभी विधायकों को बैठक के लिए आमंत्रित किया जा रहा है, इसलिए मुझे सकारात्मक परिणाम की उम्मीद है। इससे पहले भाजपा के सभी विधायकों की बैठक हुई थी। राष्ट्रपति शासन की अवधि 12 फरवरी को समाप्त होने वाली है। सकारात्मक पहल की उम्मीद है। जब सिंह से पूछा गया कि अगर वह सत्ता में होते तो क्या हालात अलग होते, इस पर उन्होंने कहा, सरकार एक निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है। मैंने मणिपुर में हालात बदलने की पूरी कोशिश की। पहाड़ी और घाटी दोनों इलाकों में काफी बदलाव हुए हैं। लामसांग निर्वाचन क्षेत्र के विधायक एस राजन सिंह ने कहा,सरकार बनने की संभावना है। हालांकि, राज्य की स्थिति का जायजा लेने के बाद केंद्रीय नेतृत्व द्वारा नेता का चयन किया जाएगा।

लोकसभा में राहुल गांधी के बयान पर जमकर हंगामा

● पूर्व आर्मी चीफ की किताब कोट की, अमित शाह ने टोका

● भड़के राजनाथ सिंह, बोले-बिना किसी तथ्य की बात न करें

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में सोमवार को राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा हुआ। राहुल ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल नरवणे की अनपब्लिशड किताब का हवाला देते हुए कहा- डोकलाम में 4 चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे। राहुल के ऐसा कहते ही पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और फिर गृह मंत्री शाह ने उन्हें टोका। इसके बाद स्पीकर ने नियमों का हवाला देते हुए उन्हें रोका। राहुल करीब 46 मिनट तक अपनी बात कहने की कोशिश करते रहे। इसके बाद स्पीकर ने लोकसभा की कार्यवाही 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दी। दोपहर 3 बजे लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही राहुल ने बोलना शुरू किया लेकिन हंगामे के चलते महज 9 मिनट बाद ही कार्यवाही शाम 4 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर आपत्ति जताई।

'सुप्रीम' निर्देश, पाकिस्तान में जन्मे दलितों को घर दें

● उच्च न्यायालय ने दिल्ली में रोकी अतिक्रमण हटाओ मुहिम

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पाकिस्तान से आए दलितों की हालत पर गहीर चिंता जताई है। सर्वोच्च अदालत ने कहा है कि पाकिस्तान से निर्वासित होकर आए दलितों को सिर्फ भारतीय नागरिकता दे देना ही काफी नहीं है। अदालत ने कहा कि सरकार को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि ऐसे लोगों को रहने के लिए सम्मानजनक आवास की सुविधा उपलब्ध हो। इस बीच सुप्रीम कोर्ट ने अतिक्रमण हटाओ मुहिम पर रोक लगा दी है और सरकार से चार हफ्तों में जवाब दाखिल करने को कहा है। सुप्रीम कोर्ट की ओर से पाकिस्तान से आए हिंदू दलितों को लेकर यह टिप्पणी दिल्ली के सिग्नेचर ब्रिज के पास मजनूं का टिला इलाके में रहने वाले लोगों के विस्थापन की आशंकाओं के बीच की है। इस मामले की सुनवाई सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस एन कोटेश्वर सिंह कर रहे हैं। अदालत ने ऐसे निवासियों को लेकर कहा कि नागरिकता मिलने के बाद भी विस्थापन का खतरा मंडरा रहा है। अदालत ने इस बात पर जोर दिया गया कि नागरिकता देने के साथ-साथ आवास की सुविधाएं भी जरूरी हैं।

राजस्थान-एमपी में ओले गिरे, यूपी में कोहरा

● हिमाचल के मनाली में बर्फबारी, कूल-कूल मौसम ● अगले 5 दिन में 3 वेस्टर्न डिस्टरबेंस मौसम बदलेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर भारत का मौसम फिर बदल गया है। जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में रविवार शाम से देर रात तक बर्फबारी और बारिश हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक लगातार दो वेस्टर्न डिस्टरबेंस के असर से 3 फरवरी तक हिमालयी राज्यों जम्मू-कश्मीर, हिमाचल, उत्तराखंड में बारिश और बर्फबारी होगी। मैदान राज्यों दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश में हल्की बारिश होने की संभावना है। सोमवार सुबह 7 बजे तक आगरा, सरसवा, बरेली, हिंडन और बठिंडा में घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो रही। आईएमडी ने यूपी, दिल्ली और आंध्र प्रदेश के समुद्र किनारे बसे जिलों में अगले 3 घंटे घने कोहरे का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है।

5 से 7 फरवरी के दौरान तीसरा वेस्टर्न डिस्टरबेंस पश्चिमी हिमालयी राज्यों में फिर से मौसम बदलेगा। पश्चिमी विक्षोभ यानी वेस्टर्न डिस्टरबेंस भूमध्यसागर से आने वाली हवाओं का सिस्टम है, जो सर्दियों के दौरान उत्तर भारत में बारिश और पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी कराता है। सोमवार सुबह जम्मू-कश्मीर के गुलमर्ग में पारा माइनस 8.0, लद्दाख के द्रास में माइनस 15.1 और हिमाचल के काल्पा में माइनस 3.8 डिग्री रहा। हरियाणा और पंजाब में भी न्यूनतम तापमान बढ़ा है और अधिकांश जगहों पर पारा सामान्य स्तर से ऊपर रहा। हरियाणा के अंबाला में न्यूनतम तापमान 12.4 डिग्री और हिसार में 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जबकि भिवानी और नारनौल में तापमान 6 से 6.5 डिग्री के बीच रहा। पंजाब के अमृतसर और गुरदासपुर में ठंड कुछ ज्यादा रही, जहां तापमान 6 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया गया। इसके अलावा लुधियाना में 7.6 डिग्री और पटियाला में 10.2 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम तापमान रहा। दिल्ली में फरवरी की शुरुआत पिछले साल के मुकाबले ठंडी रही।

● नीतिश राज में स्कूलों में बढ़ा नामांकन, घटा ड्राप आउट

अब भी बिहार की शिक्षा व्यवस्था के सामने बड़ी चुनौती

पटना (एजेंसी)। प्रदेश में सबको अच्छी और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की दिशा में भले ही नीतीश सरकार ने 2007 से अब तक कई बड़े कदम उठाया है, लेकिन इसके बाद भी प्रारंभिक, माध्यमिक एवं उच्च शिक्षा तथा तकनीकी शिक्षा की राह में अब भी बड़ी चुनौतियां कायम हैं। इसकी नजीर आर्थिक सर्वेक्षण, 2025-26 की रिपोर्ट है जिसमें स्कूली शिक्षा के सामने ड्राप आउट को बखूबी दर्शाया गया है। हालांकि, सरकार मानती है कि वर्ष 2005-06 से पहले बिहार में बच्चों का ड्राप आउट की दर तुलना में आज बड़ी सफलता मिली है। फिर भी रिपोर्ट में प्रारंभिक और माध्यमिक शिक्षा में शत-प्रतिशत ड्राप आउट को खत्म करने की चुनौती का बखूबी चर्चा है। वहीं राज्य में उच्च शिक्षा के सामने अपने सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) को बढ़ाने की बड़ी चुनौती है। अभी उच्च शिक्षा में जीईआर करीब 20 प्रतिशत है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक प्राथमिक शिक्षा में 2024-25 में बच्चों का ड्राप आउट 2.9

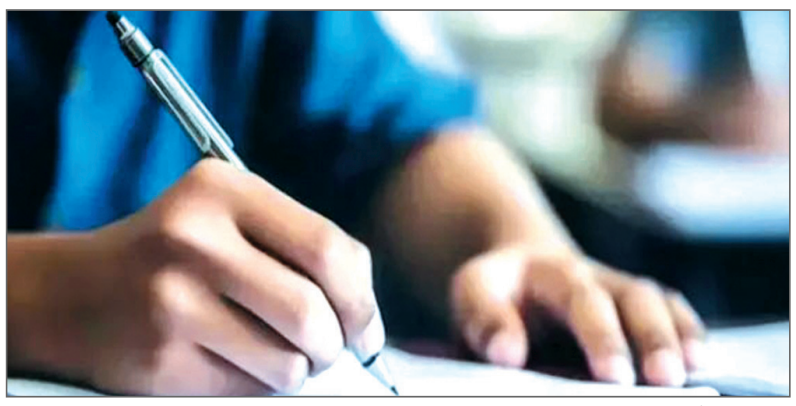

प्रतिशत रहा। इसमें लड़कियों का 1.2 प्रतिशत तथा लड़कों का 4.5 प्रतिशत था। इसी प्रकार उच्च प्राथमिक में बच्चों का ड्राप आउट की दर 9.3 प्रतिशत रहा। इसमें लड़कियां 6.6 एवं लड़कों का 11.9 प्रतिशत था। माध्यमिक शिक्षा में छात्र-छात्राओं का ड्राप आउट की दर 6.9 प्रतिशत रहा। इसमें अच्छी बात यह रही कि माध्यमिक स्तर पर लड़कियों का ड्राप आउट की दर 13.56 प्रतिशत तेजी से घटी है। आर्थिक सर्वे में पढ़ाई बीच में छोड़ने के लिए जिम्मेदार कारक के तौर पर सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक, शैक्षणिक, प्रशासनिक और अवसंरचनात्मक श्रेणियों को बताया गया है। यह सुझाव भी दिया गया है कि पढ़ाई बीच में छोड़ने की समस्या से निपटने के लिए सावधानीपूर्वक योजना बनाना आवश्यक है।

● **लड़कियों में पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर में बढ़ी-** विशेष रूप से, इस अवधि के दौरान, लड़कियों में पढ़ाई बीच में छोड़ने की दर में गिरावट लड़कों की तुलना में अधिक रही है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट में युवाओं को मानव संसाधन के रूप में तैयार करने की हालिया पहल की भी बखूबी चर्चा है। युवाओं को कौशल विकास, व्यावसायिक शिक्षा, इंटर्नशिप और उद्योग सहयोग पर जोर दिया जा रहा है ताकि शिक्षा को रोजगार से जोड़ा जा सके। तकनीकी शिक्षण संस्थानों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उठाये जा रहे सुधारात्मक कदम की सराहना की गई।

योगी को बच्ची ने एबीसीडी सुनाई बोली-एडमीशन करवा दीजिए

हम शेर बच्चे, छोटे हैं तो क्या हुआ...सुनते ही सीएम बोले-तुरंत दाखिला करवाओ

लखनऊ (एजेंसी)। लखनऊ में सोमवार को मुख्यमंत्री जनता दरबार में मासूम बच्ची मां के साथ पहुंची। उसने मासूम अंदाज में सीएम योगी ने कहा, 'मेरा एडमीशन करा दीजिए।' बच्ची का अंदाज देख योगी मुस्कराने लगे। उन्होंने पूछा, किस क्लास में एडमीशन चाहिए। बच्ची ने जवाब में कहा- नर्सरी में सर। फिर सीएम ने कहा- स्कूल पढ़ने के लिए रोज जाओगी, तो बच्ची ने हां। बच्ची ने सीएम को एबीसीडी पढ़ककर सुनाया। कविता सुनाई- हम शेर बच्चे, शेर बच्चे, शेर बच्चे हैं। हम छोटे हैं तो क्या हुआ, हम दिल के सच्चे हैं। बच्ची की कविता सुनकर सीएम योगी खुश हुए। वहां खड़े अधिकारी से कहा- बच्ची का एडमीशन कराओ। बच्ची को चॉकलेट भी दिया। बच्ची का नाम अनाबी अली है। वह लखनऊ की ही रहने वाली है।

● **बच्चे के इलाज के लिए आर्थिक मदद का आश्वासन -** बच्चे के इलाज के लिए आर्थिक मदद का आश्वासन दिया एक महिला अपने बच्चे के साथ पहुंची। उनके बच्चे का केजीएमयू में इलाज चल रहा है। महिला ने सीएम से इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग की। इस पर सीएम ने इलाज के लिए आर्थिक सहायता दिलाने का आदेश दिया। उन्होंने कहा- 25 करोड़ प्रदेशवासी मेरा परिवार हैं। सरकार के सुख-दुख में खड़ी है। पहले दिन से ही इलाज के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। आगे भी यही चलता रहेगा।